दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
एक पेड़ माँ के नाम
अभियान को
जन आंदोलन बनाएं...
एक व्यक्ति एक पेड़ अवश्य लगाएं।

वर्ष - 17, अंक - 10 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 12 से 18 जून 2026 | पृष्ठ - 8, रू. 3:00

फ्रांस में बोले पीएम मोदी- भारत अब दुनिया को दे रहा समाधान

पेरिस, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच रविवार को फ्रांस के नीस शहर में गर्मजोशी भरी मुलाकात हुई। राष्ट्रपति मैक्रों ने गले लगाकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से 'भारत इनोवेट्स' (Bharat Innovates) कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम भारत, फ्रांस और दुनिया के अन्य देशों के प्रमुख स्टार्टअप्स, निवेशकों और वेंचर कैपिटल फंड्स को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

'वैश्विक चुनौतियों का साथ मिलकर समाधान खोजा'

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया में कई देश व्यापार और रणनीतिक साझेदारी करते हैं, लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो केवल हितों से नहीं, बल्कि साझा दृष्टिकोण और साझा मूल्यों से संचालित होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस का संबंध भी ऐसा ही है, जिसमें विश्वास, नवाचार, प्रेरणा, साझा मूल्य और भविष्य के लिए साझा दृष्टि शामिल है। मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने पिछले वर्षों में मिलकर कई नई पहलें शुरू की हैं और वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, 'भारत और फ्रांस हमेशा साथ चले हैं और हमें खुशी है कि 'भारत इनोवेट्स' जैसी महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत भी हम फ्रांस के साथ कर रहे हैं।'

मैक्रों को दिया धन्यवाद

प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने मित्र इमैनुएल मैक्रों के इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद देते हैं। यह टिप्पणी दोनों नेताओं के बीच मजबूत व्यक्तिगत और कूटनीतिक संबंधों को भी दर्शाती है। मोदी ने कहा कि आज भारत का युवा केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि समस्याओं का समाधान खोजने वाला बन चुका है। क्योंकि 'इनोवेशन भारत के DNA में है इसलिए अब यह दुनिया को समाधान दे रहा है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी मानवता के हित में नवाचार कर रही है और विश्वस्तरीय समाधान विकसित कर रही है। 'भारत इनोवेट्स' ऐसा मंच है जो भारतीय युवाओं की प्रतिभा को वैश्विक पहचान दिलाने का माध्यम बनेगा।

भारत में चल रहा है स्टार्टअप रिवॉल्यूशन

प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का भारत परिवर्तन के एक बड़े दौर से गुजर रहा है और देश में स्टार्टअप क्रांति चल रही है। उनके अनुसार, 'भारत इनोवेट्स' भारतीय प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच एक मजबूत सेतु का काम करेगा। यह ऐसा मंच है जहां भारतीय युवाओं को यूरोप की विशेषज्ञता, निवेश और वैश्विक अवसरों से जुड़ने का मौका मिलेगा। 'भारत इनोवेट्स' केवल एक स्टार्टअप सम्मेलन नहीं, बल्कि भारत-फ्रांस संबंधों के नए युग का प्रतीक है। यह पहल कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीप-टेक, अंतरिक्ष, रक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु समाधान जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को और मजबूत करेगी।

सहवाग के क्लब में शामिल हुए रोहित शर्मा

बतौर ओपनर 16 हजार रन पूरे किए, गिल वनडे में 3 हजार रन बनाने वाले फास्टेस्ट इंडियन

धर्मशाला, एजेंसी।

भारत ने पहले वनडे में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। धर्मशाला में कप्तान शुभमन गिल ने 84 रन की पारी खेली। वे वनडे में सबसे तेज 3 हजार रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। वहीं, रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर इंटरनेशनल क्रिकेट में 16 हजार रन पूरे किए। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग ने यह कारनामा किया था।

रोहित ने 39 साल 44 दिन की उम्र में वनडे खेला

रोहित भारत के लिए वनडे क्रिकेट खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 39 साल और 44 दिन की उम्र में मैच खेला। रोहित से पहले पूर्व ऑलराउंडर मोहिंदर अमरनाथ ने 1989 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में वनडे मैच खेला था।

रोहित ने बतौर ओपनर 16 हजार रन पूरे किए

रोहित ने इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर ओपनर 16 हजार रन पूरे किए। उन्होंने 16 रन की पारी के दौरान छठा रन बनाते यह अचीवमेंट हासिल किया। वे ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय और दुनिया के 7वें बल्लेबाज बन गए। श्रीलंका के पूर्व ओपनर सनथ जयसूर्या ने सबसे ज्यादा 19,298 रन बनाए हैं।

गिल ने 62 पारियों में 3 हजार वनडे रन बनाए

गिल ने वनडे में 3,000 रन पूरे किए। वे सबसे कम पारियों में इस आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले भारत और दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने। गिल ने महज 62 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया। साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला पहले नंबर पर हैं। उन्होंने सिर्फ 57 पारियों में यह कारनामा किया था।

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों के दबाव में राम-प्रतिमा का प्रोजेक्ट रुका

ढाका, एजेंसी।

बांग्लादेश के गैबांधा जिले में 82 फीट ऊंची राम प्रतिमा का प्रोजेक्ट कट्टरपंथी दबाव के बाद रोक दिया गया है। यह प्रतिमा श्री श्री राधा गोबिंद और काली मंदिर परिसर में बन रही थी। मंदिर समिति ने इसे सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए अस्थायी रोक बताया है, लेकिन इसकी असली वजह कट्टरपंथी संगठनों का दबाव बताया जा रहा है।

कोरबा प्रेस क्लब का प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव: नौशाद खान अध्यक्ष एवं दिनेश सचिव, ऐतिहासिक मतों से जीते

उपाध्यक्ष बने राजकुमार शाह, दुर्गेश श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष, हरीश तिवारी उपसचिव, कार्यकारिणी में नवाब, राजेश मिश्रा (मिट्ठू) एवं आकाश शर्मा विजयी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

रविवार को कोरबा प्रेस क्लब का महत्वपूर्ण चुनाव सम्पन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष पद के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में नौशाद खान को एक तरफा विजयश्री मिली। उन्होंने प्रतिद्वंदी सीटिंग अध्यक्ष राजेन्द्र जायसवाल को भारी मतों से हराया।

कोरबा प्रेस क्लब के सत्र 2026-28 के लिए संपन्न चुनाव के परिणाम घोषित किया गया। चुनाव में विभिन्न पदों पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें विजयी प्रत्याशियों ने अपने समर्थकों के बीच जीत का जश्न मनाया।

संरक्षक पद में कमलेश यादव ने सर्वाधिक 107 वोट हासिल कर जीत दर्ज की, तो सनत दास दीवान को 58 वोट ही मिले। इसी तरह अध्यक्ष पद पर नौशाद खान ने 103 वोट प्राप्त कर जीत हासिल की, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी राजेंद्र जायसवाल को 60 वोट मिले। इसी तरह कोरबा प्रेसक्लब में एक दिनेश राज ने दूसरी बाद अपना

परचम लहराया है उन्हें 100 वोट मिले हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंदी रंजन प्रसाद को 61 वोट मिले। उपाध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में राजकुमार शाह ने 59 वोट प्राप्त कर जीत हासिल की है, वहीं उनके प्रतिद्वंदी रामेश्वर ठाकुर को 39 वोट, कृष्ण कुमार राठौर को 38 वोट एवं पुरुषोत्तम दुबे को 25 वोट मिले। इसी तरह उप सचिव पद के लिए हरीश तिवारी ने 72 वोट प्राप्त कर जीत हासिल की। अन्य प्रत्याशियों में नीलम दास पड़वार को 46 वोट और रमेश वर्मा को 45 वोट मिले। कोषाध्यक्ष पद पर दुर्गेश श्रीवास्तव काबिज हुए। उन्होंने 71 वोट प्राप्त कर जीत दर्ज की, वहीं उनके प्रतिद्वंदी वैभव शर्मा को 55 वोट और संदीप शर्मा को 37 वोट मिले। कार्यकारिणी में नवाब हुसैन, राजेश मिश्रा और आकाश शर्मा निर्वाचित हुए हैं।

निर्वाचन अधिकारी वरिष्ठ पत्रकार छेदीलाल अग्रवाल ने अपनी टीम के साथ निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराया।

सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में सादिक शेख, बीता चक्रवर्ती, रेणु जायसवाल, मधु डिडवानिया, सहायक कन्हैय्या ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खरवे गांव में कुछ महीनों में 08 की संदिग्ध मौतें

जमीन में गड़ा खजाना पाने बलि देने की आशंका

बलौदाबाजार, एजेंसी।

बलौदाबाजार जिले के एक गांव में पिछले कुछ महीनों में 8 लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। आरोप है कि गांव के एक व्यक्ति ने शराब में जहर मिलाकर इन लोगों को पिलाया, जिससे उनकी मौत हुई है।

मामला कसडोल थाना क्षेत्र के खरवे गांव का है। शनिवार को पुलिस और प्रशासन की टीम ने एक कब्र खोदकर शव को बाहर निकाला और जांच के लिए सैंपल लिए। पीड़ित परिवारों की शिकायत के आधार पर प्रशासन ने यह कार्रवाई की है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम और फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और ग्रामीणों से पूछताछ कर अलग-अलग पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी है कि आरोपी रामसाय जायसवाल जमीन में गड़े कथित खजाने (हंडा) को पाने के लिए लोगों की बलि दे रहा था। हालांकि, इस तरह की बातों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

जानकारी के मुताबिक 14 मई को मेहतरू साहू (40) की संदिग्ध मौत हो गई, जिसके बाद रिश्तेदारों ने शव दफना दिया था। इस बीच शराब पीने से एक ग्रामीण की तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के बाद उसकी तबीयत ठीक हो गई।

इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण कसडोल थाना पहुंचे थे। उन्होंने लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया कि फरवरी 2026 से लेकर 14 मई तक गांव के रामसाय जायसवाल ने कई लोगों को शराब पिलाई थी। इसके बाद एक-एक कर 8 लोगों की मौत हो गई।

सैंपल जांच के लिए भेजे गए

इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस-प्रशासन की टीम शनिवार को महेतरू की कब्र तक पहुंची। इसके बाद मशीन की मदद से कब्र की खुदाई कर शव को बाहर निकाला गया और सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजा गया।

इन लोगों की हुई मौत

ग्रामीणों के मुताबिक मृतकों में बद्री पटेल, बुटालु साहू, छत्तूराम साहू, बुदलू जायसवाल, विनोद साहू, गजानन मांझी, चैतु साहू और महेतरू साहू शामिल हैं। महेतरू को छोड़ बाकियों की उम्र 40 से 50 साल के बीच थी।

वहीं, इस मामले में ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

युवक की आवश्यकता है
(रिसेप्शनिष्ट)
संपर्क करें -
Snookyard Café
प्रथम मंजिल, अंकिता कॉम्पलेक्स
सुभाष चौक, निहारिका, कोरबा
मो.: 79997-72254
वेतन आकर्षक

मानसून छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर पहुंचा

एमपी-राजस्थान समेत 9 राज्यों में प्री-मानसून एक्टिव, बिजली गिरने से यूपी और झारखंड में 12 की मौत

रायपुर/नई दिल्ली, एजेंसी।

मानसून की झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में एंट्री हो गई। फिलहाल यह छत्तीसगढ़ की बॉर्डर पर है। अगले 3 दिन में इसके मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पहुंचने की संभावना है। 4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 9 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है।

फिलहाल, देश के कई राज्यों में प्री मानसून एक्टिव है। राजस्थान समेत 9 राज्यों में तेज आंधी के साथ बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश में शनिवार शाम भोपाल समेत 4 जिलों में तेज बारिश हुई। कई जगहों पर बिजली के तार, पेड़ टूट कर गिरे।

यूपी में आंधी-बारिश के दौरान हुए हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, झारखंड में बिजली गिरने से 3 महिलाओं समेत 7 की मौत हो गई।

मैगी में कीड़े मिलने की शिकायत पर FSSAI सख्त, Nestle को भेजा नोटिस

मुम्बई (एजेंसी)।

नेस्ले इंडिया के शेयर शुक्रवार को करीब 3% टूट गए। यह गिरावट उस खबर के बाद आई, जिसमें बताया गया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने मैगी के एक पैकेट में कीड़े या लार्वा मिलने की शिकायत के मामले में कंपनी को नोटिस जारी किया है। इस खबर के बाद नेस्ले इंडिया लिमिटेड का शेयर 43.40 रुपए यानी 3.05 फीसदी की गिरावट के साथ 1378 रुपए के आसपास पहुंच गया।

FSSAI ने नोटिस जारी करते हुए संबंधित बैच के स्रोत और सप्लायर की जानकारी,आंतरिक गुणवत्ता जांच रिपोर्ट तथा ऐसे उत्पादों को बाजार और सप्लाई चेन से हटाने के लिए क्या कदम उठाए गए कदमों का विवरण भी मांगा है। इसके साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए उठाए गए उपायों की जानकारी भी मांगी है।

फ्लिपकार्ट और ओपन सिक्रेट को भी नोटिस जारी

एक रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर सामने आई उपभोक्ता शिकायतों के आधार पर FSSAI ने अन्य कंपनियों के खिलाफ भी कार्रवाई की है। रेगुलेटर ने फ्लिपकार्ट इंडिया और ओपन सिक्रेट को भी नोटिस जारी किया है। आरोप है कि फ्लिपकार्ट मिनट्स के जरिए डिलीवर किए गए ओपन सीक्रेट अन-जंक्ड डेट्स में कीड़े पाए गए थे।

FSSAI ने दोनों कंपनियों से संबंधित अवधि के गुणवत्ता जांच रिकॉर्ड, उठाए गए सुधारात्मक कदमों और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बनाई गई कार्ययोजना की जानकारी मांगी है।

KFC को भी भेजा नोटिस

इसके अलावा,FSSAI ने आंध्र प्रदेश के एलुरु में MVR मॉल में मौजूद KFC आउटलेट पर साफ-सफाई से जुड़ी समस्याओं को लेकर एक नोटिस जारी किया है। फूड रेगुलेटर ने फूड बिजनेस ऑपरेटर (FBO) से साफ-सफाई, सैनिटेशन, फूड हैंडलिंग, स्टोरेज, वेस्ट मैनेजमेंट, पेस्ट कंट्रोल और कर्मचारियों की हाइजीन से जुड़ी कमियों की पहचान कर रिपोर्ट देने को कहा है। साथ ही, सुधारात्मक कदमों के दस्तावेजी प्रमाण भी मांगे गए हैं। FSSAI ने कहा है कि वह सोशल मीडिया पर सामने आने वाली उपभोक्ता शिकायतों की लगातार निगरानी कर रहा है। जांच में शिकायतें सही पाई जाने पर संबंधित कंपनियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत उचित कार्रवाई की जा सकती है।

PM बालेन के नए फैसले से भूचाल: नेपाल में राजदूत पद के लिए आम नागरिकों से मांगे आवेदन, बस ये होनी चाहिए योग्ताएं

काठमांडू (एजेंसी)।

क्या कोई आम नागरिक भी किसी देश का राजदूत बन सकता है? नेपाल सरकार ने इस सवाल का जवाब 'हां' में दिया है। नेपाल ने राजदूत बनने की इच्छा रखने वाले योग्य नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस कदम को देश में कूटनीतिक नियुक्तियों को अधिक पारदर्शी और योग्यता आधारित बनाने की दिशा में बड़ा सुधार माना जा रहा है। Ministry of Foreign Affairs Nepal ने इसके लिए आधिकारिक नोटिस जारी किया है। साथ ही सात पन्नों का विस्तृत दस्तावेज भी प्रकाशित किया गया है, जिसमें पात्रता, चयन प्रक्रिया और आवश्यक योग्यताओं का उल्लेख किया गया है।

कौन कर सकता है आवेदन ?

राजदूत पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार का कम से कम स्नातक (ग्रेजुएट) होना अनिवार्य है। उसके खिलाफ कोई आपराधिक मामला या सजा

नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा किसी विदेशी भाषा का ज्ञान भी आवश्यक होगा। उम्मीदवार को आवेदन पत्र में यह भी बताना होगा कि वह इस पद के लिए खुद को क्यों उपयुक्त मानता है और चयन होने पर नेपाल के हितों को आगे बढ़ाने के लिए क्या योजना रखता है।

इन उम्मीदवारों को मिलेगा फायदा

सरकार ने स्पष्ट किया है कि स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएट) उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय संबंध, राजनीति विज्ञान, कानून, अर्थशास्त्र और लोक प्रशासन जैसे विषयों में शिक्षा प्राप्त लोगों को अधिक महत्व मिलेगा। नेपाल की विदेश नीति पर शोध, पुस्तक लेखन, अकादमिक लेख या अन्य बौद्धिक योगदान रखने वाले उम्मीदवारों को भी चयन में अतिरिक्त लाभ मिल सकता है।

24 पद होंगे खाली

वर्तमान में नेपाल के विभिन्न देशों में 17 राजदूत पद रिक्त हैं। अगस्त तक सात और पद खाली होने वाले हैं। इस तरह सितंबर तक कुल 24 पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं। इनमें भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, इज़राइल, दक्षिण कोरिया, सऊदी अरब, ओमान, मलेशिया और बांग्लादेश समेत कई देशों में तैनातियां शामिल हैं।

ये होनी चाहिए योग्ताएं

आवेदक की न्यूनतम आयु 35 वर्ष निर्धारित की गई है।

उम्मीदवार नेपाली नागरिक होना चाहिए।

उसके पास किसी अन्य देश की स्थायी नागरिकता या रेजिडेंसी नहीं होनी चाहिए।

भ्रष्टाचार, नैतिक अपराध या गंभीर कानूनी मामलों में दोषी ठहराए गए व्यक्ति आवेदन नहीं कर सकेंगे।

चयन प्रक्रिया में अच्छी अंग्रेजी, प्रभावी संवाद क्षमता, बातचीत और समझौता कौशल, व्यापार एवं निवेश संबंधी अनुभव को महत्व दिया जाएगा।

इसके अलावा United Nations, SAARC और BIMSTEC जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जानकारी रखने वाले उम्मीदवारों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है।

नेपाल में फैसले की हो रही सराहना

नेपाल सरकार का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य राजदूतों की नियुक्ति को केवल राजनीतिक सिफारिशों तक सीमित रखने के बजाय योग्य और सक्षम व्यक्तियों के लिए खोलना है। इस फैसले की देश में व्यापक सराहना हो रही है क्योंकि इससे विदेश सेवा से बाहर के अनुभवी और प्रतिभाशाली नागरिकों को भी देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल सकेगा।

22 मिनट ओले गिरे, कश्मीर का 30% सेब बर्बाद : किसानों के 400 करोड़ डूबे, बोले- इतने बेबस हैं, बेटी की शादी टालनी पड़ेगी

फिर संकटमोचक बना भारत

मालदीव में आई मुसीबत तो भेजीं 3 टन चिकित्सा सामग्री व 20 हजार वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि संकट की घड़ी में वह अपने पड़ोसी देशों के साथ मजबूती से खड़ा रहता है। मालदीव में खसरे (मीजल्स) के बढ़ते मामलों के बीच भारत ने तत्काल मानवीय सहायता भेजते हुए 20,000 खसरा-रूबेला (एमआर) वैक्सीन की खुराकें और लगभग तीन टन चिकित्सा सामग्री उपलब्ध कराई है। यह सहायता ऐसे समय में भेजी गई है जब मालदीव खसरे के नए प्रकोप से जूझ रहा है और वहां सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता Randhir Jaiswal ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि भारत मालदीव में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा और टीकाकरण कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत द्वारा भेजी गई सहायता में शामिल हैं

20,000 खसरा-रूबेला (MR) वैक्सीन की खुराकें
लगभग 3 टन चिकित्सा सामग्री
आवश्यक दवाइयां
सिरिंज और इंजेक्शन उपकरण
डायग्नोस्टिक किट

संकट में सबसे पहले मददगार बना भारत

विदेश मंत्रालय के अनुसार यह समय पर पहुंची सहायता मालदीव को खसरे के प्रसार को रोकने और प्रभावित लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में मदद करेगी। भारत की विदेश नीति में 'Neighbourhood First' यानी 'पड़ोसी प्रथम' नीति को विशेष महत्व दिया जाता है। इसी नीति के तहत भारत ने कोविड महामारी, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य आपात स्थितियों के दौरान भी पड़ोसी देशों की मदद की है। मालदीव भारत की समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय सहयोग की नीति 'विजन महासागर' (Vision MAHASAGAR) का भी एक महत्वपूर्ण साझेदार है। दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा क्षेत्रों में लगातार सहयोग बढ़ रहा है।

WHO ने 2021 में घोषित किया था खसरा मुक्त

दिलचस्प बात यह है कि World Health Organization ने वर्ष 2021 में मालदीव को खसरा मुक्त देश घोषित किया था। ऐसे में वर्षों बाद इस बीमारी का दोबारा सामने आना वहां की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बन गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर टीकाकरण और निगरानी के जरिए इस प्रकोप को नियंत्रित किया जा सकता है।

क्या है खसरा और क्यों है खतरनाक ?

खसरा एक अत्यंत संक्रामक वायरल बीमारी है, जो मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करती है। यह संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या बोलने के दौरान निकलने वाली बूंदों के माध्यम से तेजी से फैलती है।

इसके प्रमुख लक्षण

तेज बुखार
नाक बहना
आंखों का लाल होना
मुंह के अंदर सफेद धब्बे
पूरे शरीर पर लाल चकत्ते

गंभीर मामलों में यह निमोनिया, मस्तिष्क संक्रमण और मृत्यु तक का कारण बन सकता है। WHO और वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों के अनुसार खसरे के खिलाफ टीकाकरण दुनिया के सबसे प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों में से एक है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रभावी टीकाकरण कार्यक्रम हर साल लाखों संक्रमणों और हजारों मौतों को रोक सकता है। मालदीव को भारत द्वारा भेजी गई सहायता न केवल तत्काल राहत प्रदान करेगी, बल्कि वहां खसरे के प्रसार को रोकने और भविष्य में बड़े स्वास्थ्य संकट को टालने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम केवल मानवीय सहायता नहीं बल्कि क्षेत्र में भारत की जिम्मेदार और भरोसेमंद साझेदार की छवि को भी मजबूत करता है। जब-जब पड़ोसी देशों पर संकट आया है, भारत ने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सहायता पहुंचाई है और मालदीव को भेजी गई यह मदद उसी परंपरा का ताजा उदाहरण है।

मोदी फ्रांस पहुंचे, भारतीय समुदाय ने स्वागत किया

पीएम ने बच्चे को दुलारा, महिलाओं ने उनका हाथ माथे से लगाया; आज मैक्रों से मुलाकात

नई दिल्ली/पेरिस/ब्रातिस्लावा(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार रात फ्रांस के नीस शहर पहुंचे। होटल में भारतीय समुदाय ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पीएम ने बच्चे को गोद में उठाया और दुलार किया। महिलाओं ने पीएम के हाथ को माथे पर लगाया। इसके बाद मोदी ने कल्चरल प्रोग्राम देखा।

पीएम मोदी रविवार दोपहर में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। साथ ही 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, हेल्थ टेक, मेडिकल टेक्नोलॉजी, AI, सेमीकंडक्टर और स्पेस टेक्नोलॉजी से जुड़े 12 समझौते हो सकते हैं।

भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल लड़ाकू विमानों की डील पर अहम चर्चा होगी। भारत चाहता है कि इन विमानों में अपने हथियार जोड़ने की सुविधा मिले। इसके लिए सोर्स कोड का मुद्दा भी उठाया जाएगा।

डील पर अभी कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति (CCS) की मंजूरी नहीं मिली है। प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद ही इस पर अंतिम फैसला होगा।

फ्रांस के नीस शहर में भारतीय समुदाय ने पीएम का स्वागत किया। पीएम ने एक बच्चे को दुलार भी किया।

भारतीय समुदाय की महिलाओं ने पीएम के हाथ को अपने सिर पर लगाया।

पीएम जिस होटल में ठहरे, वहां सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

पीएम का 6 दिन का फ्रांस और स्लोवाकिया का दौरा

प्रधानमंत्री 13 से 18 जून तक फ्रांस और स्लोवाकिया के 6 दिनों के दौरे पर हैं। पीएम बनने के बाद उनकी यह 7वीं फ्रांस यात्रा है। उनका फ्रांस दौरा दो फेज में होगा। इस दौरान 3 शहरों नीस, एवियान और पेरिस जाएंगे। वे 13-14 जून तक नीस में रहेंगे।

16 से 17 जून को एवियान में त्7 समिट में हिस्सा लेंगे। 18 जून को पेरिस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विवाटेक सम्मेलन में जाएंगे। 17 जून को त्7 समिट के दौरान मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से द्विपक्षीय मुलाकात होगी। दोनों नेता 16 महीने बाद मिलेंगे। दोनों आखिरी बार फरवरी 2025 में वॉशिंगटन में मिले थे।

फांस दौरे के बीच मोदी 14 जून की शाम फ्रांस से स्लोवाकिया जाएंगे और 15 जून तक रुकेंगे। इस दौरान स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रोबर्ट फिको और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रीनी से मुलाकात करेंगे। 1993 में स्लोवाकिया के आजाद देश बनने के बाद किसी भारतीय पीएम का यह पहला दौरा है।

2025 में कनाडा में हुए G7 में PM मोदी शामिल हुए थे। लेकिन ट्रम्प समिट बीच में छोड़कर चले गए थे, जिससे दोनों की मुलाकात नहीं हो सकी थी।

2025 में कनाडा में हुए G7 में PM मोदी शामिल हुए थे। लेकिन ट्रम्प समिट बीच में छोड़कर चले गए थे, जिससे दोनों की मुलाकात नहीं हो सकी थी।

होर्मुज रक्षा गठबंधन में भारत के शामिल होने पर निर्णय संभव

प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही को लेकर बड़ा फैसला हो सकता है। ब्रिटेन की अगुवाई में अप्रैल में हुई पेरिस वार्ता में भारत शामिल हुआ था।

होर्मुज खोलने को लेकर भारत किसी एक देश की पहल पर होने वाली सुरक्षा व्यवस्था के बजाए संयुक्त राष्ट्र के नियमों के अनुकूल बहुपक्षीय सुरक्षा व्यवस्था के हक में है। ऐसे में भारत फ्रांस और ब्रिटेन की पहल के साथ कदम मिलाते हुए होर्मुज रक्षा गठबंधन में शामिल होने पर सहमति दे सकता है।

G7 क्या है, इसमें कौन-कौन से देश हैं?

G7 यानी 'ग्रुप ऑफ सेवन', दुनिया के उन 7 देशों का समूह है, जिन्हें दुनिया की 'मॉडर्न इकोनॉमी' वाला देश कहा जाता है। इनमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी शामिल हैं।

इसकी शुरुआत 1975 में G6 के रूप में हुई थी। 1976 में कनाडा के जुड़ने के बाद यह त्7 बन गया। 1998 में रूस को शामिल कर इसका नाम त्8 कर दिया गया, लेकिन 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया क्षेत्र पर रूस के कब्जे के बाद उसे समूह से बाहर कर दिया गया। इसके बाद यह फिर से G7 कहलाने लगा।

भारत G7 में गेस्ट नेशन, पीएम 7वीं बार शामिल होंगे

भारत G7 का सदस्य नहीं है, लेकिन दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था और महत्वपूर्ण वैश्विक भूमिका के कारण उसे अक्सर विशेष आमंत्रित देश (गेस्ट नेशन) के रूप में बुलाया जाता है। आमतौर पर भारत के प्रधानमंत्री को समिट का न्यौता मिलता है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2005 से 2013 के बीच पांच बार G7 (पहले G8) समिट में हिस्सा लिया था। PM मोदी को पहली बार 2019 में फ्रांस के बियारिट्ज में आयोजित G7 समिट में आमंत्रित किया गया था।

2020 में अमेरिका को मेजबानी करनी थी, लेकिन उसने तब समिट रद्द कर दी। इसके बाद 2021 में ब्रिटेन की मेजबानी में आयोजित सम्मेलन में PM मोदी वर्चुअली शामिल हुए। इसके अलावा मोदी 2022 में जर्मनी, 2023 में जापान, 2024 में इटली और 2025 में कनाडा में आयोजित G7 समिट में शामिल हुए।

भारत के टॉप-2 हथियार सप्लायर्स में शामिल फ्रांस

साल 2025 में फ्रेंच अखबार ला मोंड की खबर के मुताबिक फ्रांस ऐसे वक्त में भी भारत का साथ देता आया है, जब अमेरिका समेत दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियों ने भारत का साथ छोड़ दिया था।

पोखरण में परमाणु टेस्ट के बाद अमेरिका, जापान, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देशों ने भारत पर कई प्रतिबंध लगा दिए, लेकिन फ्रांस ने भारत का समर्थन किया।

फ्रांस ने अमेरिकी प्रतिबंधों की अनदेखी करते हुए भारत को हथियार बेचना शुरू किया और अब वो रूस के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा हथियार आपूर्तिकर्ता बन गया है।

भारत को फ्रांस से मिराज 2000 फाइटर जेट, राफेल फाइटर जेट और स्कॉर्पीन पनडुब्बी मिल चुकी है।

फ्रांस ने इंटरनेशनल फोरम पर हमेशा भारत को सपोर्ट किया

सितंबर 2023 में हुई त्20 समिट के दौरान क्रू मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को 2024 के गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने का न्योता दिया था, लेकिन दिसंबर में उन्होंने भारत आने से इनकार कर दिया।

ऐसे वक्त में भारत ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को गणतंत्र दिवस में शामिल होने का न्योता भेजा। उन्होंने इसे तुरंत स्वीकार भी कर लिया।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर फ्रांस ने भारत का हमेशा समर्थन किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सितंबर 2024 में संयुक्त राष्ट्र में भारत को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाने की मांग की थी।

इसके अलावा फ्रांस, न्यूक्लियर सप्लाई ग्रुप (NSG) में भी भारत को सदस्य बनाने का पक्षधर है।

G7 समिट क्या है, इस बार इसके एजेंडे की खास बात क्या है?

एक तय एजेंडे पर बातचीत के लिए हर साल G7 समिट होती है, जिसका आयोजन त्7 का अध्यक्ष देश करता है। दरअसल, G7 के सभी 7 देश बारी-बारी से इसकी अध्यक्षता करते हैं।

इस साल फ्रांस अध्यक्षता कर रहा है। ऐसे में G7 समिट फ्रांस के एवियां शहर में होगी। इस समिट के एजेंडे में जियोपॉलिटिक्स क्राइसेस (यूक्रेन युद्ध, ईरान-इजराइल तनाव, गाजा, लेबनान और होर्मुज रूट की स्थिति, मध्य पूर्व की सुरक्षा चुनौतियां), वैश्विक आर्थिक सहयोग और असंतुलन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के मुद्दे शामिल हैं।

इसके अलावा G7 के सदस्य देशों के लीडर्स और ऑफिसर्स साल में कई बैठकें करते हैं, जिनमें कई समझौते होते हैं और दुनिया की बड़ी घटनाओं पर आधिकारिक बयान जारी किए जाते हैं।

शुरुआत में G7 का एजेंडा आर्थिक चुनौतियों और क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दों का हल निकालना था। बाद में राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे भी इसमें शामिल हो गए। वैश्विक मुद्दों पर त्7 के फैसलों का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है।

उदाहरण के लिए G7 ने 2002 में मलेरिया और एड्स से लड़ने के लिए ग्लोबल फंड बनाया। 1998 में वित्तीय संकट के दौरान इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों को आर्थिक मदद की। रूस-यूक्रेन जंग के दौरान रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन की मदद करने का फैसला किया।

प्यासे पंछियों को
पानी पिलाएं
आओ इस आदत को
संस्कार बनाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं,
स्वच्छ और सुंदर धरती बनाएं।

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 12 से 18 जून 2026

एमपी- मुरैना में ट्रेन से 4 यात्रियों की मौत

मां-बेटे समेत सभी यूपी के, आग की अफवाह से उतरे, दूसरी ट्रेन की चपेट में आए

मुरैना, एजेंसी।

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में ट्रेन हादसे में मां-बेटे समेत 4 लोगों की मौत हो गई। मोबाइल ब्लास्ट से आग लगने की अफवाह के बाद उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से कुछ यात्री घबराकर नीचे उतर गए। इसी दौरान 4 यात्री दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए। मृतकों में 3 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी कंचन सिंह (25), पत्नी मोहित सिंह, रुनकता निवासी शकुंतला सिंह (60), पत्नी भूरा सिंह, आगरा निवासी आफरीन (35), पत्नी नदीम और असद (4), पुत्र नदीम खान की मौत हुई है। आफरीन और असद मां-बेटे थे।

रेलवे प्रबंधन के अनुसार, हादसा उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के हेतमपुर-धौलपुर रेलखंड पर हुआ। गाड़ी संख्या 19665 खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस रविवार करीब 4:15 बजे हेतमपुर और धौलपुर स्टेशन के बीच चेन पुलिंग के कारण बीच सेक्शन में रुक गई थी।

विमान के शौचालय को ही बनाया लॉकर, 4.26 करोड़ रुपये का सोना जब्त

अहमदाबाद, एजेंसी।

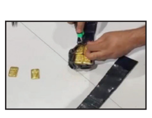

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर दुबई से आए एक विमान के शौचालय से 4.26 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सोना जब्त किया गया है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीमा शुल्क खुफिया इकाई द्वारा जारी बयान के अनुसार, सोना विमान के शौचालय के स्पीकर बॉक्स में छिपाया गया था।

बयान में कहा गया, 'दुबई से अहमदाबाद आए इंडिगो के विमान संख्या 6ई-1478 की शुक्रवार को तलाशी के दौरान 2,799.3 ग्राम वजन के सोने के 24 बिस्कुट, (जिनकी बाजार कीमत 4,26,89,325 रुपये है) बरामद किए गए।' अधिकारियों ने बताया कि सोने को दो पैकेट में रखा गया था, जिन्हें काले प्लास्टिक टेप से लपेटकर स्पीकर बॉक्स में छिपाया गया था। बयान में कहा गया कि ऐसा प्रतीत होता है कि सोना किसी व्यक्ति द्वारा भारत में अवैध रूप से लाए जाने और सीमा शुल्क से बचने के इरादे से छिपाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सोने को सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के तहत जब्त कर लिया गया और जांच जारी है।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप कुएं में गिरी, 8 की मौत

मुंबई, एजेंसी।

महाराष्ट्र के सोलापुर में श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप वाहन के कुएं में गिर जाने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

ताइवान ने ठुकराया चीन का 'एकीकरण' मॉडल, कहा-यह दोस्ती नहीं...कब्जे की तैयारी

ताइपे, एजेंसी।

ताइवान ने चीन पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि बीजिंग आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के नाम पर ताइवान को अपने में मिलाने की दीर्घकालिक योजना पर काम कर रहा है। ताइवान ने चीन का 'एकीकरण' मॉडल ठुकराते हुए कहा-यह दोस्ती नहीं, कब्जे की तैयारी है क्योंकि चीन की यह नीति 'वास्तविक एकीकरण नहीं, बल्कि वास्तविक दबाव' की रणनीति है। यह बयान तब सामने आया जब चीन की शीर्ष राजनीतिक सलाहकार संस्था के अध्यक्ष Wang Huning ने श्यामेन में आयोजित वार्षिक स्ट्रेट्स फोरम के दौरान ताइवान की विपक्षी पार्टी के नेताओं से मुलाकात की।

'वन चाइना' और '1992 कंसेंसस' पर फिर जोर-

बैठक के दौरान वांग हुनिंग ने चीन की पुरानी नीति दोहराते हुए 'वन चाइना' सिद्धांत और तथाकथित '1992 कंसेंसस' को दोनों पक्षों के संबंधों का आधार बताया।

राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध - सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर-चांपा जिले में 295 करोड़ रुपये से अधिक के 341 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

जांजगीर-चाम्पा (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पोंड़ी (राछा) में आयोजित कार्यक्रम में जिलेवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने 295 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 341 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 70.10 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 159 कार्यों का लोकार्पण तथा 224.90 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 182 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इन विकास कार्यों के माध्यम से सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य, नगरीय अधोसंरचना तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार होगा और जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधिविधान से पूजा-अर्चना कर विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया तथा बटन दबाकर पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज का दिन जांजगीर-चांपा जिले के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि जांजगीर चांपा जिले को लगभग 295 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है, जिससे क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और जनजीवन अधिक सुगम बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य और अधोसंरचना से जुड़े कार्यों के माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से जिले में विकास की नई संभावनाएं सृजित होंगी तथा आमजन को सीधे लाभ मिलेगा।

विभिन्न विभागों के कार्य शामिल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा लोकार्पित 159 कार्यों में जल संसाधन, वन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सीजीएमएससी, नगरीय प्रशासन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्य शामिल हैं। वहीं भूमिपूजन के 182 कार्यों में जल संसाधन विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, सीजीएमएससी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, नगरीय प्रशासन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के महत्वपूर्ण विकास कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्य केवल निर्माण नहीं होते, बल्कि वे लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनते हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है और इसी सोच के साथ प्रदेश में विकास एवं जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े तथा छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

UK का समंदर में हाई-वोल्टेज ऑपरेशन

ब्रिटिश कमांडो ने पहली बार रूसी तेल टैंकर पर किया कब्जा

लंदन, एजेंसी।

यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और पश्चिमी देशों के बीच जारी तनाव के बीच ब्रिटेन ने रूस के कथित 'शैडो फ्लीट' के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ब्रिटिश अधिकारियों ने इंग्लिश चैनल में एक प्रतिबंधित तेल टैंकर को रोककर उस पर छापा मारा और उसे अपने नियंत्रण में ले लिया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अपनी तरह का पहला ब्रिटिश नेतृत्व वाला अभियान था, जिसका उद्देश्य रूस के उस समुद्री नेटवर्क को निशाना बनाना है, जिस पर पश्चिमी प्रतिबंधों को दरकिनार कर तेल निर्यात करने के आरोप लगते रहे हैं।

कमांडो ने जहाज पर किया कब्जा

ब्रिटिश अधिकारियों के मुताबिक, SMYRTOS नामक तेल टैंकर को रोकने के लिए करीब छह घंटे लंबा अभियान चलाया गया। इस ऑपरेशन में ब्रिटिश सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर, युद्धपोत HMS Sutherland, रॉयल मरीन कमांडो और राष्ट्रीय अपराध एजेंसी के विशेष प्रशिक्षित अधिकारियों को शामिल किया गया।ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय का दावा है कि जहाज पर कार्रवाई रूस के प्रतिबंधों से बचने के प्रयासों के बावजूद सफलतापूर्वक की गई।

'यूक्रेन युद्ध की फंडिंग पर चोट'

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री Dan Jarvis ने कहा कि रूस अपनी शैडो फ्लीट के जरिए यूक्रेन युद्ध के लिए धन जुटाता है और यह कार्रवाई उस वित्तीय नेटवर्क पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि यह अभियान फ्रांस के साथ करीबी समन्वय में चलाया गया और इससे रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करने में मदद मिलेगी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री Keir Starmer ने इस कार्रवाई को रूस के लिए एक और बड़ा झटका बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान उन लोगों के लिए स्पष्ट संदेश है जो Vladimir Putin के युद्ध को आर्थिक मदद पहुंचा रहे हैं कि वे दुनिया की नजरों से बच नहीं सकते।

अमेरिका के समझौता ड्राफ्ट पर सहमत, अमेरिका ईरानी तेल से पाबंदी हटाएगा

दावा- ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, होर्मुज खोलेगा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी।

ईरान ने यूरेनियम छिपाने के लिए सुरंगें बंद कीं

CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने इस्फहान परमाणु केंद्र में रखे हाईली एनरिच्ड यूरेनियम तक पहुंचने वाली कई सुरंगों को बंद कर दिया है और रास्तों पर विस्फोटक माइंस बिछा दी हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के लिए तैयार किए गए ड्राफ्ट में न्यूक्लियर प्रोग्राम, ऑयल बैन, फ्रीज प्रॉपर्टी और होर्मुज से जुड़े मुद्दों पर सहमति बन गई है। यह दावा रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने एक सीनियर ईरानी अधिकारी के हवाले से किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक ड्राफ्ट में ईरान ने कहा है कि वह न परमाणु हथियार बनाएगा और न ही किसी दूसरे देश से हासिल करेगा। फाइनल समझौता होने तक ईरान अपने मौजूदा परमाणु कार्यक्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा। वो यूरेनियम एनरिच्ड नहीं करेगा और नए न्यूक्लियर सेंटर्स का विस्तार भी नहीं करेगा।

ईरान सभी कारोबारी जहाजों के लिए होर्मुज तुरंत खोल देगा। इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी अपनी नौसैनिक नाकेबंदी हटाना शुरू करेगा। अमेरिका कुछ समय के लिए ईरान के तेल निर्यात पर लगी पाबंदियों में भी छूट देगा।

ड्राफ्ट के मुताबिक, अमेरिका ईरान की 25 अरब डॉलर की जब्त की हुई प्रॉपर्टी जारी करेगा। साथ ही अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर ईरान के रिडेवलपमेंट और विकास की योजना भी तैयार करेगा।

समझौते के बाद 60 दिन की नई बातचीत का प्लान: रिपोर्ट के मुताबिक पहले एक अंतरिम MoU साइन होगा। इसके बाद 60 दिनों तक परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत और होर्मुज स्ट्रेट के संचालन जैसे मुद्दों पर तकनीकी बातचीत होगी।

भारत-अमेरिका के बीच जहाजों पर हमलों को लेकर तनाव: भारत ने भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हमलों को लेकर दूसरी बार अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। वहीं ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान ने भारतीय जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश की थी।

टीएमसी सांसदों के दोनों गुट लोकसभा स्पीकर से मिले

अभिषेक की मांग- अलग गुट को मान्यता न दें, बागी सांसदों की भाजपा बंगाल प्रभारी के घर मीटिंग

कोलकाता, एजेंसी।

दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस (TMC) की बागी नेता काकोली घोष दस्तिदार, शताब्दी रॉय और उनके साथ अन्य नेता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आवास पर पहुंचे हैं। इससे पहले बागी गुट की केंद्रीय मंत्री और बंगाल में भाजपा के प्रभारी भूपेंद्र यादव के घर पर बैठक भी हुई।

उधर, TMC के सांसद कीर्ति आजाद और सागरिका घोष भी बिरला के आवास पर पहुंचे थे। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ और 10वीं अनुसूची के अनुच्छेद 4 के अनुसार पार्टी में अलग गुट या विभाजन का कोई प्रावधान नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि पार्टी सिर्फ 20 सांसदों या 60 विधायकों से नहीं बनी। ममता बनर्जी ने ही इस पार्टी को खड़ा किया है, इसलिए वही असली पार्टी हैं।

TMC के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि सदन में TMC को केवल एक पार्टी के रूप में देखा जाए। किसी दूसरे गुट को मान्यता न दी जाए।

TMC के कुल 28 लोकसभा सांसद हैं। इसके अलावा 13 राज्यसभा सांसदों में से 4 ने इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी है।

कीर्ति आजाद ने कहा कि महाराष्ट्र में जो हुआ वह गलत था, इसलिए बागी नेताओं के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष को औपचारिक आवेदन सौंप दिया गया है जिसकी हार्ड कॉपी स्पीकर कार्यालय ने प्राप्त कर ली है।

बागी गुट की सांसद काकोली घोष का दावा है कि उनके पास अब 22 सांसदों का समर्थन है। पहले काकोली ने 20 सांसदों के समर्थन का दावा किया था। इसके बाद 19 सांसदों के साइन वाला एक लेटर भी सामने आया था।

दिल्ली पहुंचते ही सायोनी ने कहा- मैं अभी कुछ नहीं कहूंगी। सही समय आने पर ही बोलूंगी। ममता ने सायोनी और माला को पार्टी के पदों से हटा दिया है। सायोनी पार्टी की यूथ विंग की अध्यक्ष थीं।

बागी सांसद जगदीश बसुनिया ने बताया कि हमारा गुट सोमवार को लोकसभा स्पीकर से मिलेगा। काकोली घोष दस्तीदार के बेटे बैद्यनाथ ने ममता, महुआ मोइत्रा, कल्याण बनर्जी को लीगल नोटिस भेजा। उन्होंने कहा कि उन्होंने बारासात विधानसभा सीट से अपने लिए या मां के लिए कभी टिकट नहीं मांगा था।

ओमान के समुद्र में अचानक डूब गया भारतीय जहाज, 14 भारतीय क्रू मैंबर थे सवार

मस्कट, एजेंसी।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ओमान के तट के पास एक बड़ा समुद्री हादसा सामने आया है। भारतीय ध्वज वाला मैकेनाइज्ड सेलिंग वेसल MSV Virat 1 तकनीकी खराबी के बाद समुद्र में डूब गया। राहत की बात यह रही कि जहाज पर सवार सभी 14 भारतीय क्रू मेंबरों को समय रहते सुरक्षित निकाल लिया गया। यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब Strait of Hormuz क्षेत्र पहले से ही ईरान-अमेरिका तनाव के कारण वैश्विक ध्यान का केंद्र बना हुआ है। हालांकि अभी तक इस दुर्घटना को किसी सुरक्षा या सैन्य घटना से जोड़कर नहीं देखा जा रहा है और प्रारंभिक जानकारी तकनीकी खराबी की ओर संकेत कर रही है।

कैसे हुआ हादसा ?

जानकारी के अनुसार, 14 जून की सुबह ओमान के Ras Al Hadd तट से लगभग 80 नॉटिकल मील पूर्व में जहाज के इंजन में खराबी आ गई। इंजन फेल होने के बाद जहाज में पानी भरना शुरू हो गया और स्थिति तेजी से गंभीर होती चली गई। जब जहाज के संकट में होने की सूचना मिली तो तत्काल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बचाव अभियान शुरू किया गया।

भारतीय दूतावास ने की पुष्टि

मस्कट स्थित Embassy of India in Muscat ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि उसे ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाले जहाज से जुड़ी दुर्घटना की जानकारी मिली है। दूतावास ने बताया कि ओमानी अधिकारियों के साथ समन्वय कर खोज एवं बचाव अभियान चलाया गया और सभी भारतीय नाविकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। समुद्री अधिकारियों ने जहाज के डूबने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार इंजन फेल होने के बाद जहाज में पानी भरना शुरू हुआ, जिससे वह समुद्र में समा गया।

अमेरिकी नौसेना ने संभाली कमान

सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी नौसेना के P-8 Maritime Patrol Aircraft ने सबसे पहले संकटग्रस्त जहाज का पता लगाया। विमान ने मौके पर एक लाइफ राफ्ट गिराया और लगातार क्रू की गतिविधियों पर नजर रखी। अमेरिकी नौसेना ने तटीय अधिकारियों और भारतीय नौसैनिक एजेंसियों को भी तत्काल अलर्ट किया, जिसके बाद बचाव अभियान तेज कर दिया गया।

लाइफ राफ्ट पर पहुंचे सभी 14 भारतीय

जैसे-जैसे जहाज डूबने लगा, सभी 14 भारतीय नाविक लाइफ राफ्ट पर पहुंच गए। अधिकारियों के अनुसार सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बचाव अभियान के दौरान MV Jabal Ali 9, जो सेंट किट्स एंड नेविस के झंडे वाला व्यापारिक जहाज है, को भी सहायता के लिए बुलाया गया। यह जहाज उस समय घटना स्थल के नजदीक मौजूद था और उसने राहत कार्य में सहयोग किया।

सरोकार

विश्वास बढ़ा चुनौती कायम

26 मई 2014 को मोदी 1.0 का उदय हुआ, इन 05 सालों में मोदी के ऐतिहासिक निर्णयों, जनकल्याण के कार्यों से जनता के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐसी पैठ जमी की, दूसरी बार भारी बहुमत से मोदी 2.0 का उदय हुआ और 30 मई 2019 को मोदी ने दूसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ ली। दूसरे कार्यकाल में जनता का विश्वास कायम रहा और भारी एंटीकंबेंसी के साथ मोदी 3.0 का भी उदय हुआ, लेकिन मोदी 3.0 चुनौतियों से भरा हुआ लग रहा है। एक ओर जनता के विश्वास को और प्रगाढ़ करना है, वहीं अपनी नीति से मिशन @ 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी अर्थव्यवस्था को और आगे बढ़ाते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक शतप्रतिशत पहुंचाना भी है, ताकि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और सभी के जीवन स्तर में आमूलचुल परिवर्तन भी दिखे। नई शिक्षा नीति के तहत सभी को शिक्षित करते हुए हिन्दी भाषा को शिक्षा की भाषा बनाने पर जोर दिया जा रहा है। जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ जनता का विश्वास बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं। इस बात पर भी भाजपा ने सांगठनिक मजबूती को भी नया रूप दिया और राज्यों में भी भाजपा का विस्तार करते हुए केन्द्र की योजनाओं को राज्यों में बेहतर क्रियान्वयन पर फोकस किया। केन्द्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से जनता को योजनाओं का बेहतर लाभ मिलता है और केन्द्र-राज्य में टकराव शून्य होता है। मोदी 3.0 को अभी 02 साल हुए हैं और आगे बचे हुए 03 सालों में जनता के विश्वास को और आगे बढ़ाने के लिए मोदी सरकार नई रणनीति के तहत कार्य कर रही है, ताकि जनता का विश्वास आने वाले एक देश-एक चुनाव में परिलक्षित हो।

-संपादक

जब-जब भारतीय कपड़ों को प्रस्तुत करने की बारी आई है तो कंगना का उसमें सबसे आगे आया है। उनका रॉयल और शाही अंदाज हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींच लेता है।

एक्ट्रेस वामिका गब्बी रील लाइफ में जितनी सुन्दर दिखती हैं, उससे कई ज्यादा सुन्दर को रियल लाइफ में दिखती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के कालखण्ड का 12 वर्ष पूर्णः उपलब्धियां अनेक, जनता का भरोसा कायम, सशक्त नेतृत्व को विश्व में मिली पहचान

स्वच्छता मिशन ने बदल दी भारत की तस्वीर

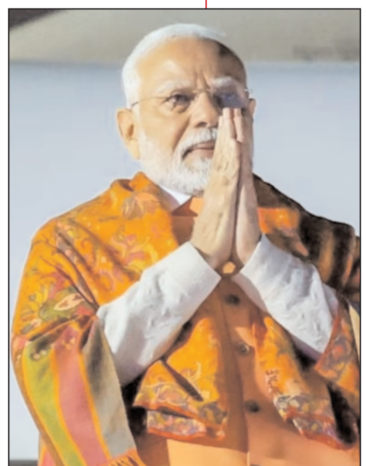

26 मई 2014 सिर्फ भाजपा के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक स्वर्णीम अवसर लेकर आया, जब देश को एक ऐसा सशक्त नेतृत्व मिला, जिनके कालखण्ड 12 वर्ष में कई चुनौतियां आईं, लेकिन देश को भरोसा रहा... मोदी है तो मुमकिन है... हम हर चुनौतियों को पार कर लेंगे। चुनौतियां अनेक आईं, लेकिन जनता का भरोसा कायम रहा। किसी भी बड़े नेतृत्व का कार्यकाल जब 02 पंचवर्षीय पूर्ण हो जाता है, तो एन्टीकंबेंसी के कारण तीसरी बार सत्ता हासिल करना किसी चमत्कार से कम नहीं होता। नरेन्द्र दामोदर भाई मोदी ने वह चमत्कार कर दिखाया और तीसरी बार 2024 में भी प्रधानमंत्री बनकर देश को भरोसेमंद सरकार देकर जनता का भरोसा कायम रखा। शीर्ष नेतृत्व जब जनकल्याण की भावना लेकर अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित करता है, तो जनता को विश्वास रहता है कि देश का नेतृत्व देश में आने वाली हर चुनौती को पार करते हुए जनहित में फैसला लेगा। मोदी आज विश्वास की परिभाषा बन चुके हैं, विकास की पहचान बन चुके हैं और राष्ट्रवाद जिनकी लहू में बहता है। लगातार 12 साल पूर्ण करने वाले प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने नेहरू जी के इतिहास को तोड़ा और लगातार सबसे अधिक समय तक देश का नेतृत्व करने वाले पहले प्रधानमंत्री बने।

स्वच्छ भारत मिशन ने बदली देश की तस्वीर

26 मई 2014 को नरेन्द्र दामोदर भाई मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली, तो देश की जनता ने इस विश्वास के साथ एनडीए को सत्ता सौंपी, कि देश का अब सर्वश्रेष्ठ होने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी के कालखण्ड के मोदी-01 में देश को जो सबसे बड़ी उपलब्धि मिली, वह है स्वच्छ भारत मिशन। स्वच्छ भारत मिशन... एक मिशन के साथ-साथ अभियान और जनआंदोलन भी था। इस मिशन ने भारत की तस्वीर ही बदल दी। कभी सड़क किनारे गंदगी की बू से तस्वीर नरक जैसी थी, नदी-नालों के किनारे लोगों का चलना दूभर था, खुले में शौच की ऐसी गंदी तस्वीर भारत के सामने थी, जिसे मिटाने के लिए मोदी ने देश के सबसे बड़े मिशन को अमलीजामा पहनाया और देश के सामने आज ऐसी तस्वीर है, जिसे हम देखकर गर्व कर सकते हैं। अलसुबह या गोधूली बेला में नदी किनारे जब हम टहलने जाते हैं, तो यहां की तस्वीर देखकर कुछ समय लेटने का मन भी करता है। शहरों की सड़कें स्वच्छता के साथ सुंदर वातावरण, जहां हम मार्निंगवाक बेधड़क कर सकते हैं। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि मोदी ने भारत की तस्वीर को ऐसी साफ सुथरा और हरित वातावरण से लैस किया जिसकी तस्वीर की आज विश्व गुणगान करता है।

घर-घर शौचालय निर्माण से महिला सम्मान को बल मिला और हमारी नारी शक्ति चिंतामुक्त और सुरक्षित महसूस करने लगी।

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और अनुच्छेद 35ए का खात्मा

एक देश-एक विधान के लिए पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर में तिरंगा लेकर फहराने की नियत से श्रीनगर की ओर रूख किया, गिरफ्तार हुए और उन्हें जेल में डाल दिया, जहां से वे निकले ही नहीं। पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जीवन संघर्षों और बलिदानों को जीवन मिला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2.0 में अब तक का सबसे सख्त फैसला लिया और बिना हिंसा के जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और अनुच्छेद 35ए को खात्मा कर एक देश-एक विधान के नारे को धरातल पर लाया। इस सख्त फैसले से जम्मू और कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग होने की पुष्टि मिली और जम्मू-कश्मीर में भी भारत का तिरंगा और भारत के संविधान को सम्मान मिला।

महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण

2023 में मोदी सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में लोकसभा में महिला आरक्षण बिल लाया और यह पास भी हो गया। लोकसभा एवं राज्यसभा सहित सभी विधानसभाओं, विधान परिषदों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण से महिला सशक्तिकरण को गति मिली। महिलाओं के हौसले को नई उड़ान मिली। मोदी सरकार 2.0 की यह भी बड़ी उपलब्धि थी।

पूरे देश में जीएसटी लागू करने

मोदी 1.0 कार्यकाल की एक और बड़ी उपलब्धि को देखें, तो एक देश-एक कर प्रणाली को लागू किया गया और पूरे देश के लिए एक जीएसटी लागू किया गया। 01 जुलाई 2017 की आधी रात से पूरे देशभर में जीएसटी लागू किया गया। इस व्यवस्था से देश में अलग-अलग तरह के अप्रत्यक्ष करों की जगह एक एकीकृत टैक्स सिस्टम लागू हुआ।

नोटबंदी ने देश को हिलाकर रख दिया

नकली नोट से आतंकी और नक्सली पोषित हो रहे थे, कालाधन कुछ कुबेरों की कोठी में जमा हो रहा था। कालाधन विदेशों में जमा हो रहे थे। न किसी को जानकारी थी और न ही किसी को भनक लगने दिया। मोदी 1.0 का अचानक बड़ा फैसला आया और 08 नवम्बर 2016 को मोदी सरकार ने तत्काल आधी रात से रूपए 500 और रूपए 1000 के करेंसी नोट को बंद कर दिया। कालाधन रखने वालों के बीच तहलका मच गया। आमजनता भी अपनी लक्ष्मी की सुरक्षा के लिए हलाकान हो गए। मोदी ने सभी को राहत दी और बैंकों में पुराने नोट के बदले नये नोट की अदला-बदली के लिए अवसर दिया। अवसर देने के साथ काले कुबेरों ने भी इस अवसर का लाभ उठाया। भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी का यह सख्त प्रहार था।

अंग्रेजों के समय से लागू कानून खत्म

मोदी सरकार ने अंग्रेजों के समय से लागू आईपीसी, सीआरपीसी, इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह तीन भारतीय कानून को लागू किया। भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस) लागू किया गया। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (बीएनएसएस) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (बीएसए) लागू किया गया। कानून के जानकार अब नए भारतीय कानूनों को पढ़ रहे हैं और पुलिस नए कानून के तहत अपराधों पर विवेचना कर रहे हैं। मोदी 2.0 का भी इसे सख्त फैसला कहा जा सकता है।

राम मंदिर निर्माण

500 साल का इंतजार खत्म हुआ। अयोध्या में राममंदिर का निर्माण हुआ। 22 जनवरी को एक और दिवाली घोषित की गई। चारों तरफ घर-घर राम के स्वागत के लिए दीपक जल उठे। चारों तरफ दीपावली की रौशनी से भारत का कोना-कोना जगमग हो उठा। भगवा रंग हर घर के दरवाजे की शोभा बढ़ाने लगा। राम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन से लेकर निर्माण तक का कालखण्ड भारत के लिए अद्भूत और चमत्कारिक रहा। इस कालखण्ड में भगवान राम के भजनों के निर्माण का ऐसा दौर चला, जो ऐतिहासिक रहा। घर-घर राम का धून और भजन से यह कालखण्ड सनातन जागृति का स्वर्णीम कार्यकाल रहा।

प्रधानमंत्री रहे स्व. नरसिम्हा राव के कार्यकाल में बाबरी मस्जिद टूटी, आरएसएस और भाजपाईयों ने अयोध्या में कार रैली निकाली, कई शहीद हो गए, लेकिन रामलला मंदिर निर्माण विवाद सुलझा ही नहीं। मोदी चमत्कारिक व्यक्तित्व के धनी हैं, जिस तरह जम्मू-कश्मीर में धारा 370 बिना हिंसा के खत्म हो गई, उसी तरह राम मंदिर का निर्माण भी शांत और सद्भाव के साथ सम्पन्न हो गया। इसे चमत्कार न कहें तो क्या कहें।

मोदी 2.0 कालखण्ड में 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की प्रथम ईंट रखी गई और मोदी 3.0 में 22 जनवरी 2024 को लोकार्पण किया गया।

बीमारी और धूंए से मिली मुक्ति, नारी शक्ति को मिला संबल

उज्ज्वला योजना से महिलाओं को भारी संबल मिला। रसोई में धूंए से हो रही घूटन से उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को आजादी दिलाई। धूंए से हो रही बीमारियों से महिला शक्ति को राहत मिली और मोदी सरकार का विश्वास बढ़ता गया। महिलाओं के लिए कई योजनाएं लागू की गई, जिसे मोदी सरकार के प्रति महिलाओं का विश्वास बढ़ता गया।

तीन तलाक खत्म हुआ और मुस्लिम महिलाएं परंपराओं की बेड़ियों से मुक्त हुईं।

दुनिया की सबसे बड़ी चौथी अर्थव्यवस्था

कई चुनौतियों के बाद भी भारत की अर्थव्यवस्था नहीं रूकी और मोदी 3.0 में भारत विश्व की सबसे बड़ी चौथी अर्थव्यवस्था बन गई। 2047@ विकसित भारत मिशन के तहत मोदी सरकार की रणनीति से भारत आगे बढ़ रहा है। कई चुनौतियों के बाद भी भारत का जीडीपी ग्रोथ काफी सम्मानजनक रहा और भारत के जीडीपी को विश्व स्तर पर सराहा।

भारत के नेतृत्व का दम विश्व शिखर पर दिख रहा है और ट्रम्प से लेकर विश्व के अनेक देशों ने मोदी की नेतृत्व क्षमता को सराहा और तेजी से बढ़ता भारत की भी प्रशंसा कर रहे हैं। मोदी एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो भविष्य की कल्पना को वर्तमान तस्वीर से जोड़कर आगे बढ़ते हैं और सिस्टेमेटिक काम को अंजाम देते हैं। आज भारत विश्व की सबसे बड़ी चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है और 2027 में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा में आत्मनिर्भर नवीन पद्धति का उदय

पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राईक और आपरेशन सिंदूर विषम युद्ध के उभरते स्वरूप के लिए एक संतुलित सैन्य प्रतिक्रिया के रूप में सामने आया। अप्रैल 2025 में पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला के विरूद्ध भारत सरकार ने 6-7 मई की दरम्यानी रात को आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में संचालित आतंकी अड्डों को नेस्तनाबूत कर दिया। आपरेशन सिंदूर से तय हो गया कि भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा में आत्मनिर्भर नवीन पद्धति का उद्य हुआ। मोदी 3.0 की यह सबसे बड़ा सख्त फैसला था, जिसे आतंक के खिलाफ लड़ाई को विश्व ने सराहा।

हमारी हवाई सुरक्षा क्षमता को विश्व ने देखा और 07-08 मई 2025 की रात को पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों से अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जलांधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उतरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन इन्हें एकीकृत काउंटर यूएएस (मानव रहित हवाई प्रणाली) ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा निष्प्रभावी कर दिया गया। यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली का अद्भूत उदाहरण था।

डिजिटल एवं मेक इन इंडिया

इन 12 सालों में मोदी सरकार ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेश (यूपीआई) ने भारत के वित्तीय परिदृश्य को जहां बदल दिया, वहीं शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में कैशलेस लेनदेन में भारी उछाल आया। स्टार्टअफ और विनिर्माण के क्षेत्र में मेक इन इंडिया और पीएलआई योजनाओं के जरिए देश में एआई, तकनीक और विनिर्माण को भारी बढ़ावा मिला।

सामाजिक कल्याण, 80 करोड़ जनता को मुफ्त राशन वितरण और आवास योजनाओं से जनकल्याण को भारी बढ़ावा मिला।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

वैश्विक मंच पर भारत की कूटनीतिक पहुंच में काफी विस्तार हुआ और भारत की विदेश नीति ने दुनिया के बड़े देशों में भारत के प्रभाव को बढ़ाया है।

इति...

अधोसंरचना विकास से नया भारत का निर्माण

मोदी के नेतृत्व में भारत में इन 12 सालों में अधोसंरचना विकास का ऐसा दौर चला कि भारत की तस्वीर तेजी से बनता विकासशील देशों की श्रेणी में प्रथम नंबर पर आ गया। सबसे तेज आगे बढ़ने वाला देश भारत की वैश्विक पहचान बनने लगी। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में चमत्कारिक काम हुए, जिससे देश के विकास की नई तस्वीर सामने आई। मोदी सरकार ने इन 12 सालों में रेल्वे को नई पहचान दी। मैट्रो से लेकर बुलेटप्रूफ, वंदेभारत ट्रेनों की नई तस्वीर से भारत की गति तेज हुई और सुरक्षा भी पुख्ता हुई। एक्सप्रेस वे और एविएशन सेक्टर में भी अभूतपूर्व काम हुए। एनएच नेटवर्क का विस्तार अब 1.5 लाख किलोमीटर हो चुका है। एयरपोर्ट 74 से 160 हो गए। नमो भारत ट्रेनों का भी लगातार विस्तार हो रहा है। अमृत मिशन पायलट से स्टेशन संवर रहे।

भारत के 10 सबसे लंबे नेशनल हाईवे

भारत का रोड नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक है। हमारे देश में राष्ट्रीय राजमार्ग यानी नेशनल हाईवेज पूरे रोड नेटवर्क का सिर्फ 2% हैं, लेकिन देश का लगभग 40% ट्रैफिक इन्हीं रास्तों से होकर गुजरता है। 2025 तक भारत में नेशनल हाईवेज की कुल लंबाई 1,46,560 किलोमीटर से भी ज्यादा हो चुकी है, जिसमें महाराष्ट्र सबसे आगे है।

इन हाईवेज को नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) और सड़क परिवहन मंत्रालय (MoRTH) मिलकर संभालते हैं। क्या आप जानते हैं कि भारत के सबसे लंबे हाईवे कौन से हैं और वे किन रास्तों से गुजरते हैं? आइए जानते हैं देश के सबसे लंबे नेशनल हाईवेज के बारे में।

NH 44: कश्मीर से कन्याकुमारी को जोड़ने वाला देश का सबसे लंबा हाईवे

जब भारत के सबसे लंबे हाईवे की बात आती है, तो नेशनल हाईवे 44 (Longest Highways in India) का नाम सबसे ऊपर आता है। इसकी कुल लंबाई लगभग 4,112 किलोमीटर है। यह उत्तर में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से शुरू होता है और दक्षिण में तमिलनाडु के कन्याकुमारी पर जाकर खत्म होता है।

इस विशाल हाईवे को 7 छोटे-छोटे हाईवेज को आपस में जोड़कर बनाया गया है। यह भारत के 'नॉर्थ-सोथ कॉरिडोर' का मुख्य हिस्सा है और दुनिया के सबसे लंबे हाईवेज में 22वें नंबर पर आता है। इस रूट पर दिल्ली, आगरा, नागपुर, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे कई बड़े शहर पड़ते हैं।

NH 27: पश्चिम से पूर्व को जोड़ने वाला नेशनल हाईवे

NH 27 भारत का दूसरा सबसे लंबा (Longest Highways in India) राष्ट्रीय राजमार्ग है, जिसकी लंबाई 3,507 किलोमीटर है। यह देश के पश्चिमी हिस्से को पूर्वी हिस्से से जोड़ता है। यह हाईवे गुजरात के पोरबंदर से शुरू होकर असम के सिलचर तक जाता है।

NH 48: दिल्ली से चेन्नई का सफर आसान बनाने वाला मार्ग

तीसरे नंबर पर आता है नेशनल हाईवे 48 (NH 48), जिसकी कुल लंबाई 2,807 किलोमीटर है। यह देश की राजधानी दिल्ली से शुरू होकर दक्षिण के प्रमुख शहर चेन्नई तक जाता है।

यह हाईवे भारत के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'गोल्डन क्वाड्रिलेटरल' (स्वर्णिम चतुर्भुज) का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह रास्ता दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु से होकर गुजरता है। इसके जरिए लोग गुरुग्राम, जयपुर, अहमदाबाद, मुंबई और पुणे जैसे बड़े औद्योगिक शहरों से जुड़ते हैं।

NH 52: पंजाब के खेतों से कर्नाटक के बंदरगाहों तक

NH 52 भारत का चौथा सबसे लंबा हाईवे है, जिसकी कुल लंबाई करीब 2,317 किलोमीटर है। यह पंजाब के संगरूर से शुरू होता है और कर्नाटक के अंकोला में जाकर समाप्त होता है।

यह हाईवे उत्तर भारत के कृषि प्रधान राज्यों (पंजाब और हरियाणा) को सीधे पश्चिम और दक्षिण भारत के औद्योगिक और पोर्ट वाले इलाकों से जोड़ता है। यह पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों को आपस में जोड़ता है।

NH 30: पहाड़ों से दक्षिण के तीर्थ स्थलों तक

नेशनल हाईवे 30 (Longest Highways in India) भारत का पांचवा सबसे लंबा हाईवे है, जिसकी कुल लंबाई 1,984 किलोमीटर है। यह उत्तराखंड के खूबसूरत शहर सितारगंज से शुरू होता है और आंध्र प्रदेश के इब्राहिमपट्नम (विजयवाड़ा) तक जाता है।

पुराने नंबरिंग सिस्टम में इसे NH 221 के नाम से जाना जाता था। यह हाईवे उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को जोड़ता है। इस रूट पर लखनऊ, प्रयागराज, जबलपुर और रायपुर जैसे बड़े शहरों के साथ-साथ गोदावरी नदी के किनारे बसा प्रसिद्ध तीर्थ स्थल भद्राचलम भी आता है।

भारत के टॉप 10 सबसे लंबे हाईवे

हाईवे नंबर	अनुमानित लंबाई	कहां से कहां तक
NH 44	4,112 किमी	श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) से कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
NH 27	3,507 किमी	पोरबंदर (गुजरात) से सिलचर (असम)
NH 48	2,807 किमी	दिल्ली से चेन्नई (तमिलनाडु)
NH 52	2,317 किमी	संगरूर (पंजाब) से अंकोला (कर्नाटक)
NH 30	1,984 किमी	सितारगंज (उत्तराखंड) से इब्राहिमपट्नम (आंध्र प्रदेश)
NH 53	1,849 किमी	हजीरा (गुजरात) से पारादीप (ओडिशा)
NH 16	1,711 किमी	कोलकाता (पश्चिम बंगाल) से चेन्नई (तमिलनाडु)
NH 66	1,640 किमी	पनवेल (महाराष्ट्र) से कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
NH 34	1,426 किमी	गंगोत्री धाम (उत्तराखंड) से लखनादौन (मध्य प्रदेश)
NH 19	1,323 किमी	आगरा (उत्तर प्रदेश) कोलकाता (पश्चिम बंगाल)

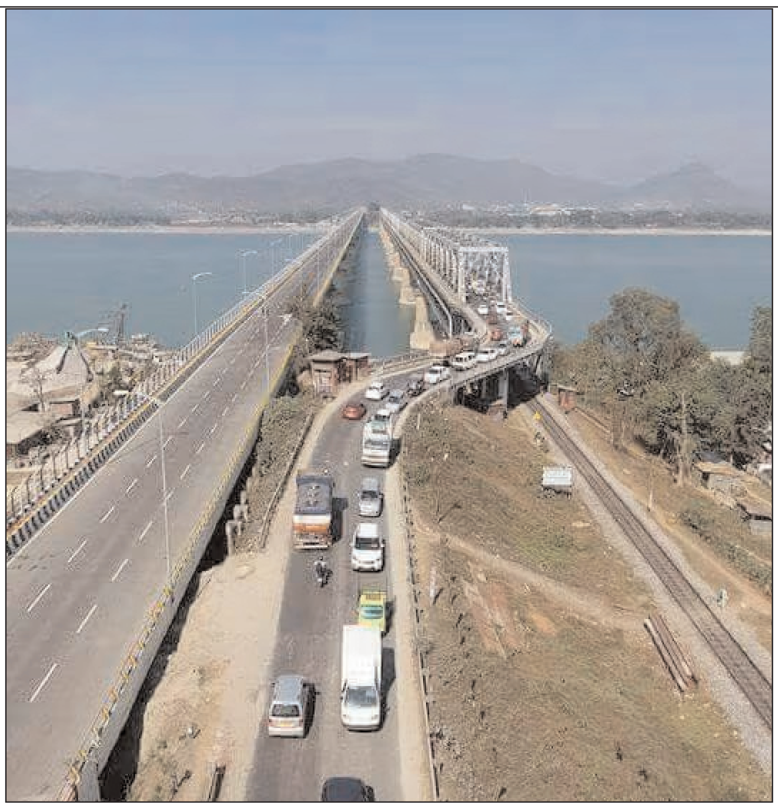

NH 27 की तस्वीर

यह हाईवे गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम जैसे 7 राज्यों से होकर गुजरता है। यह भारत का 'ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर' है और उत्तर प्रदेश के झाँसी शहर में यह देश के सबसे लंबे हाईवे NH 44 को काटता है।

बीमारी को दी मात, मोबाइल से पढ़कर MP के आयुष ने निकाला UPSC

इंदौर, एजेंसी। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा को देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है। हर साल लाखों युवा एग्जाम देते हैं, लेकिन सफलता सिर्फ उन्हीं को मिलती है जो मुश्किल हालातों में भी हार नहीं मानते। ऐसी ही एक कहानी मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव के रहने वाले आयुष स्वामी (Aayush Swami AIR 461) की है।

आयुष ने तमाम दिक्कतों, बीमारी और असफलताओं को पीछे छोड़ते हुए यूपीएससी परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक 461 हासिल की है। उनकी यह कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। आइए जानते हैं कि आयुष ने यूपीएससी में सफलता कैसे हासिल किया।

एक सरकारी टीचर के बेटे का बड़ा सपना

आयुष स्वामी मध्य प्रदेश के बैंडखेड़ी नाम के एक छोटे से कस्बे के रहने वाले हैं। उनके पिता एक सरकारी प्राइमरी स्कूल के टीचर हैं और मां हाउसवाइफ हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद आयुष के सपने हमेशा से बड़े थे। 12वीं में उन्होंने साइंस (PCM) की पढ़ाई की थी। लेकिन, उनका लक्ष्य बिल्कुल साफ था कि उन्हें देश और समाज की सेवा करनी है। इसलिए सिविल सर्विसेज की तैयारी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपनी स्ट्रीम बदल ली और सोहागपुर से बीए (Bachelor of Arts) की पढ़ाई पूरी की।

जब बीमारी ने बदल दिया जिंदगी को देखने का नजरिया

जब आयुष 10वीं क्लास में थे, तब एक गलत दवाई के रिएक्शन की वजह से उनकी तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ गई। हालात इतने खराब थे कि उन्हें लगभग पूरा साल भोपाल के एक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। ठीक होने के बाद उनके पास बोर्ड परीक्षा के लिए सिर्फ एक महीना बचा था। उन्होंने अपने दम पर 10वीं में 88% मार्क्स हासिल किए।

मोबाइल फोन से की पढ़ाई, स्कॉलरशिप ने दिया सहारा

यूपीएससी की तैयारी के लिए दिल्ली जाना आयुष के परिवार के लिए आर्थिक रूप से मुमकिन नहीं था। ऐसे में उन्होंने एक स्कॉलरशिप एग्जाम पास किया, जिससे उन्हें इंदौर में मुफ्त कोचिंग मिल गई, लेकिन तभी कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन लग गया।

आयुष को वापस अपने गांव लौटना पड़ा। उन्होंने हार मानने के बजाय अपने मोबाइल फोन, गूगल सर्च और ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करके करीब दो साल तक घर पर ही पढ़ाई की। इस दौरान उनके छोटे भाई ने भी नौकरी और पढ़ाई को बैलेंस करते हुए आयुष का पूरा साथ दिया।

इंटरव्यू तक पहुंचने के बाद प्रीलिम्स में फेल होना

आयुष की UPSC की जर्नी आसान नहीं थी। अपने पहले ही प्रयास में वह इंटरव्यू राउंड तक पहुंच गए और उन्होंने 175 मार्क्स स्कोर किए, लेकिन अंतिम लिस्ट में जगह बनाने से सिर्फ 9 से 10 नंबर से चूक गए। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह प्रीलिम्स परीक्षा भी पास नहीं कर पाए। एक साल इंटरव्यू देना और अगले ही साल प्रीलिम्स में फेल हो जाना किसी भी छात्र को तोड़ सकता है। लेकिन आयुष ने इसे एक मौके की तरह लिया। उन्होंने पूरे एक साल अपनी कमियों को सुधारा, नोट्स बेहतर किए और मॉक टेस्ट दिए। फिर उन्होंने यूपीएससी 2025 में AIR 461 हासिल की।

कॉलेज स्टूडेंट के लिए DRDO में पेड इंटर्नशिप का मौका, मेरिट और इटरव्यू से सेलेक्शन

अगर आप इंजीनियरिंग या साइंस के स्टूडेंट हैं और देश की सबसे प्रतिष्ठित संस्था DRDO के साथ काम करने का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है। हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की प्रमुख लैब 'रिसर्च सेंटर इमारत' (RCI) ने फाइनल ईयर के अंडरग्रेजुएट (UG) और पोस्टग्रेजुएट (PG) छात्रों के लिए पेड इंटर्नशिप 2026 के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है।

इस इंटर्नशिप के जरिए कुल 160 छात्रों को मिसाइल डिफेंस टेक्नोलॉजी और एडवांस एवियोनिक्स जैसी मॉडर्न टेक्नॉलजी पर काम करने का मौका मिलेगा। आइए जानते हैं कि इस इंटर्नशिप के लिए कौन-कौन अप्लाई कर सकता है और आवेदन की पूरी प्रक्रिया क्या है।

अप्लाई करने का तरीका

ऑफलाइन (स्पीड पोस्ट/कुरियर)

किन-किन ब्रांच के छात्र कर सकते हैं अप्लाई?

इस इंटर्नशिप को दो मुख्य केटेगरी में बांटा गया है:

अंडरग्रेजुएट (BTech): अगर आप बीटेक के 7वें या 8वें सेमेस्टर (फाइनल ईयर) में हैं, तो आप अप्लाई कर सकते हैं। इसमें कंप्यूटर साइंस (CSE), एआई-एमएल, साइबर सिक्योरिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स (ECE), मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, केमिकल और एयरोनॉटिकल जैसी ब्रांच शामिल हैं।

पोस्टग्रेजुएट (MTech/MSc): अगर आप एमटेक या एमएससी के दूसरे साल में हैं, तो फिजिक्स , केमिस्ट्री, वीएलएसआई (VLSI), रोबोटिक्स, थर्मल और मेकाट्रॉनिक्स जैसी कई स्पेशलाइज्ड ब्रांच के छात्र इसके लिए योग्य हैं।

DRDO RCI Internship 2026: जरूरी डिटेल्स

विवरण	पूरी जानकारी
संस्था का नाम	रिसर्च सेंटर इमारत (RCI), DRDO
कुल वैकेंसी	160 पद
स्टाइपेंड (सैलरी)	5,000 रुपये प्रति महीना
उम्र सीमा	28 साल से कम
आवेदन की आखिरी तारीख	20 जून 2026

योग्यता क्या हैं?

कैंडिडेट्स का भारतीय नागरिक होना जरूरी है।

छात्र किसी मान्यता प्राप्त (AICTE/UGC अप्रूव्ड) कॉलेज से पढ़ाई कर रहा हो।

आपके एकेडमिक्स में कम से कम 75% मार्क्स या उसके बराबर का सीजीपीए (CGPA) होना अनिवार्य है।

यह मौका केवल उन मेधावी छात्रों के लिए है जिन्हें उनके कॉलेज के प्रिंसिपल या एचओडी (HOD) द्वारा रेकमेंड किया जाएगा।

स्टाइपेंड और इंटर्नशिप की अवधि

यह इंटर्नशिप (DRDO RCI Internship) कम से कम 6 महीने की होगी। इन इंटर्नशिप में चुने गए सभी छात्रों को हर महीने 5000 रुपये का स्टाइपेंड दिया जाएगा।

सिलेक्शन प्रोसेस

इसमें सिलेक्शन के लिए आपको कोई लिखित परीक्षा नहीं देनी पड़ती है।

सबसे पहले आपके एप्लीकेशन फॉर्म, मार्क्स और कॉलेज के रेफरल लेटर की जांच की जाएगी।

इसके बाद मेरिट (CGPA) या ऑनलाइन इंटरव्यू/इंटरैक्शन के आधार पर छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

अंत में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगा। सफल छात्रों को ईमेल के जरिए इसकी जानकारी दी जाएगी। यह इंटर्नशिप पूरी तरह ऑफलाइन मोड में हैदराबाद में होगी।

ऑफलाइन अप्लाई कैसे करें?

ऑफिशियल नोटिफिकेशन पीडीएफ से एप्लीकेशन फॉर्म डाउनलोड करके पूरा भरें।

अपने कॉलेज के प्रिंसिपल या एचओडी से कॉलेज के लेटरहेड पर एक रिक्वेस्ट/रेफरल लेटर बनवाएं।

फॉर्म के साथ मांगे गए अपनी सभी जरूरी डॉक्यूमेंट को अटैच करें।

लास्ट में इसे स्पीड पोस्ट या कुरियर के जरिए इस पते पर भेजें:

Director,
Research Centre Imarat (RCI),
Defence R&D Organization,
Vignyana Kancha, Hyderabad - 500069.

एजेंसी।

दुनिया का सबसे बड़ा पढ़ाकू देश भारत

जब भी पढ़ाई-लिखाई की बात आती है, तो हमारे घरों में एक ही डायलॉग सुनने को मिलता है, दिनभर बस फोन में घुसे रहो, कभी दो पन्ने पलटकर पढ़ भी लिया करो। NOP वर्ल्ड कल्चर स्कोर इंडेक्स की रिपोर्ट ने हैरान कर दिया है। दुनिया में सबसे ज्यादा किताबें और अखबार पढ़ने के मामले में भारतीय सबसे आगे हैं। भारत इस लिस्ट में नंबर वन पर आ गया है।

हाल ही में आए 'NOP वर्ल्ड कल्चरस्कोर इंडेक्स' ने पूरी दुनिया के होश उड़ा दिए हैं। इस सर्वे में यह देखा गया कि आखिर किस देश के लोग हफ्ते में कितना समय पढ़ने में बिताते हैं। जब नतीजे आए, तो बड़े-बड़े विकसित देश देखते रह गए और भारत ने बाजी मार ली। इस इंडेक्स के मुताबिक, भारत में एक इंसान हफ्ते में औसतन 10 घंटे और 42 मिनट पढ़ने में बिताता है यानी रोज का करीब डेढ़ घंटा। भारत में आज भी सुबह की शुरुआत चाय और अखबार के बिना अधूरी मानी जाती है। इसके अलावा, हमारे यहां सरकारी नौकरी, इंजीनियरिंग और मेडिकल के कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स का ऐसा क्रेज है कि स्टूडेंट्स दिन-रात किताबों में डूबे रहते हैं। हमारी इसी आदत ने हमें दुनिया का सबसे बड़ा पढ़ाकू देश बना दिया है।

WOS ने किया शेयर: औसत घंटा

भारत 10:42, थाईलैंड 09:24, चीन 08:00, फिलीपींस 07:36, मिस्र 07:30, चेकिया 07:24, रूस 07:06, स्वीडन/ फ्रांस 06:54, हंगरी / सऊदी अरब 06:48, हांगकांग 06:42, पोलैंड 06:30, वेनेजुएला 06:24, दक्षिण अफ्रीका / ऑस्ट्रेलिया 06:18, इंडोनेशिया 06:00, अर्जेंटीना / तुर्की 05:54, स्पेन / कनाडा 05:48, जर्मनी / अमेरिका 05:42, इटली 05:36, मैक्सिको 05:30, ब्रिटेन 05:18, ब्राजील 05:15, ताइवान 05:00, जापान 04:06, दक्षिण कोरिया 03:06। एजेंसी।

छोटे से जामुन के बीज में छिपे हैं बड़े हेल्थ बेनिफिट्स

इन दिनों आपको बाजारों में आसानी से जामुन देखने को मिल जाएंगे। यह फल सिर्फ खाने में स्वादिष्ट नहीं होता है, इसे हमारे सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। अक्सर जब हम जामुन खाते हैं, तो हमारी यह आदत होती है कि हम इसके बीज को बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन आयुर्वेद और हेल्थ एक्सपर्ट्स की अगर मानें तो इसके बीज में भी न्यूट्रिएंट्स का भरमार होता है। आपको शायद यह जानकर हैरानी हो लेकिन छोटे से दिखने वाले जामुन के बीज में आपको एंटीऑक्सिडेंट्स, फाइबर, आयरन, कैल्शियम और इस तरह के कई जरूरी कम्पाउंड्स मिल जाते हैं, जिन्हें आपके शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, आपको इन बीजों का इस्तेमाल कभी भी किसी बीमारी को ठीक करने के लिए नहीं करना चाहिए, लेकिन अगर आप फिर भी इनका इस्तेमाल सही मात्रा में करते हैं तो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मददगार

जामुन के इन छोटे-छोटे बीजों को हमेशा से डायबिटीज कंट्रोल करने से जोड़कर देखा जाता रहा है। इसमें आपको जैंबोलिन और जैंबोसिन जैसे एलिमेंट्स मिल जाते हैं, जो आपके शरीर में शुगर के एब्जॉर्प्शन को धीमा करने में मदद कर सकते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि कुछ लोग जामुन के बीजों का पाउडर तैयार करके इसका इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। जब आप रेगुलर बेसिस पर और सीमित मात्रा में इसका सेवन करते हैं, तो आपको अपने ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखने में मदद मिलती है। अगर आप पहले से डाइबिटीज की दवाई ले रहे हैं, तो जामुन के बीजों का इस्तेमाल करने से पहले एक बार आपको अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

डाइजेशन को मजबूत बनाने में मददगार

अगर आपको कब्ज, गैस या फिर अपच जैसी समस्याएं रहती है तो ऐसे में भी जामुन के बीज आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इनमें आपको भरपूर मात्रा में फाइबर मिल जाता है, जो आपकी मदद डाइजेशन को बेहतर बनाने में करता है। यह आपके आंतों को हेल्दी रखने में तो मदद करता ही है, बल्कि साथ ही आपकी मदद पेट को साफ रखने में भी कर सकता है। कई लोगों को जिन्हें ब्लोटिंग जैसी प्रॉब्लम रहती है, अक्सर वे लोग इसका सेवन करना फायदेमंद मानते हैं। जब आप रेगुलर बेसिस पर और सही मात्रा में इसका सेवन करते हैं, तो यह आपके डाइजेशन के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

शरीर को मिलते हैं पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स

जामुन के बीजों में आपको भरपूर मात्रा में पावरफुल एंटीऑक्सिडेंट्स मिल जाते हैं। ये आपकी मदद शरीर में मौजूद फ्री रैडिकल्स से लड़ने में करते हैं। बता दें ये फ्री रैडिकल्स आपके सेल्स को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कई हेल्थ एक्सपर्ट्स का यह भी मानना रहा है कि एंटीऑक्सिडेंट्स आपकी मदद शरीर में सूजन को कम करने में और साथ ही आपकी इम्युनिटी को बेहतर बनाने में कर सकते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि जामुन के बीजों को आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

वजन कंट्रोल करने में मिल सकती है मदद

अगर आप अपने बढ़े हुए वजन को कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो ऐसे में भी जामुन के ये बीज आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इनमें भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करने में मदद कर सकते हैं। जब आपको बार-बार भूख नहीं लगती है, तो आप ओवरईटिंग करने से बचे हुए रहते हैं। इसके अलावा जामुन के ये बीज आपके मेटाबोलिज्म को भी बूस्ट करने में मदद कर सकते हैं। अगर आप बढ़े हुए वजन को कम करना चाहते हैं, तो सिर्फ जामुन के बीज नहीं, बल्कि एक बैलेंस्ड डाइट लेना और रेगुलर एक्सरसाइज करना भी आपके लिए जरूरी हो जाता है।

हार्ट और लिवर हेल्थ के लिए भी फायदेमंद

जामुन के बीजों में आपको फ्लेवोनॉइड्स और एलैजिक एसिड जैसे एलिमेंट्स मिल जाते हैं। ये आपकी मदद शरीर में इन्फ्लेमेशन को कम करने में कर सकते हैं। जब आप इनका सेवन करना शुरू करते हैं तो आपके हार्ट हेल्थ को सपोर्ट मिल सकता है। इसके अलावा जामुन के इन बीजों को आपके लिवर के लिए भी फायदेमंद बताया जाता है। हालांकि, इनके कोई ठोस सबूत नहीं है, इसलिए इन बीजों को एक मेडिकल ट्रीटमेंट की तरह इस्तेमाल करने की सलाह नहीं दी जाती है।

इन बातों का रखें खास ख्याल

अगर आप जामुन के बीजों का जरूरत से ज्यादा सेवन करने लगते हैं, तो इसकी वजह से आपको फायदा नहीं बल्कि नुकसान भी हो सकता है। इसकी वजह से आपका ब्लड शुगर लेवल काफी ज्यादा कम हो सकता है और साथ ही आपको डाइजेशन से जुड़ी प्रॉब्लम्स भी हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और किसी सीरियस बीमारी से जूझ रहे लोगों को इसका सेवन बिना डॉक्टर की सलाह लिए भूलकर भी नहीं करना चाहिए। एजेंसी।

कैसे करें जामुन के बीजों का इस्तेमाल?

जामुन के बीजों का इस्तेमाल करने से पहले आपको इन्हें अच्छी तरह से धोकर सुखा लेना होगा। जब ये अच्छी तरह से सूख जाए तो आपको इन्हें पीसकर एक पाउडर तैयार कर लेना है। आमतौर अगर देखा जाए तो जामुन के बीज को आधा चम्मच या फिर एक चम्मच गुनगुने पानी के साथ लेने को कहा जाता है, लेकिन इसकी जो सही मात्रा होती है वह आपके उम्र और आपकी हेल्थ कंडीशन पर ज्यादा निर्भर करती है। अगर आप इसका सेवन करने की सोच रहे हैं तो पहले अपने डॉक्टर या फिर डाइटीशियन की सलाह जरूर लें।

दीपका में होटल अंजनी इन का भव्य शुभारंभ

कोरबा/दीपका।

महानगरों की तर्ज पर नगर पालिका परिषद दीपका नगर में भी एक भव्य, आकर्षक एवं सर्वसुविधायुक्त वातानुकूलित होटल अंजनी इन का भव्य शुभारंभ 08 जून को छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेताप्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, तखतपुर के पूर्व विधायक आशीष सिंह ठाकुर उपस्थित रहे और इनके अलावा कई बड़ी हस्तियों की उपस्थिति और आशीर्वाद के साथ होटल अंजनी इन लोगों की सेवा के लिए लोकार्पित किया गया।

इस भव्य शुभारंभ के बाद होटल अंजनी इन के डायरेक्टर अजय जायसवाल ने उपस्थित अतिथियों का आभार जताया और पूरे जिलेवासियों को इस भव्य होटल अंजनी इन में सेवा के लिए आमंत्रित किया है। होटल की भव्यता आकर्षक है, जहां यहां आने वाले गेस्ट अपने आपको ऐसा महसूस करेंगे, जैसे महानगरों की होटलों में सेवा प्रदान की जाती है।

सभी प्रकार का स्वादिष्ट व्यंजन मिलेगा रेस्टोरेंट में

होटल अंजनी इन के विशाल ग्राउंड फ्लोर में भव्यता के साथ रेस्टोरेंट खोला गया है, जहां पर सभी तरह के मनपसंद व्यंजन की उपलब्धता होगी और ग्राहकों की चाहत और पसंद को ध्यान में रख कर हर तरह का स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध कराया जा रहा है। डायरेक्टर अजय जायसवाल ने बताया कि ग्राहकों की संतुष्टि के लिए हर तरह का संसाधन और स्वच्छता तथा क्वालिटी का ध्यान रखा गया है, ताकि जो ग्राहक एक बार यहां पधारे, उन्हें बार-बार आने की इच्छा हो।

होटल अंजनी इन में उपलब्ध सुविधाएं

डायरेक्टर अजय जायसवाल ने बताया कि रेस्टोरेंट में जहां स्वादिष्ट व्यंजनों का ग्राहक लुफ्त उठा सकेंगे, वहीं रेस्टोरेंट का नाम कोल किचन रेस्टोरेंट रखा गया है, जहां पर 100 लोगों के लिए बेंकेट हॉल की आरामदायक व्यवस्था है, वहीं 200 लोगों के लिए शानदार स्काई व्युव लॉन एवं 25 लोगों के लिए क्रिस्टल लॉन की शानदार व्यवस्था बनाई गई है।

लॉन एवं कमरे देखकर अतिथियों ने की प्रशंसा

अतिथियों को अजय जायसवाल ने होटल अंजनी इन एवं रेस्टोरेंट कोल किचन का भ्रमण कराया और स्वादिष्ट व्यंजनों को चखाया भी। सभी अतिथियों ने लॉन, कमरों का अवलोकन किया और शानदार डिजायनिंग एवं व्यवस्था की प्रशंसा की।

अतिथियों का ह्दय से स्वागत

होटल अंजनी इन के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित अतिथियों सहित विशिष्टजनों, आगंतुकों का डायरेक्टर अजय जायसवाल, श्रीमती रीना जायसवाल, बजरंग जायसवाल, अमित जायसवाल, सुमित जायसवाल सहित व्यवस्थापकों ने ह्दय से स्वागत किया और अजय जायसवाल ने अतिथियों की अगुवानी की।

12 साल बेमिसाल' अभियान में गूंजा किसान कल्याण का संदेश

कोरबा भाजपा ने बढ़ाया जैविक खेती का कदम

कोरबा/कटघोरा।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और किसान कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कृषि महाविद्यालय, कटघोरा में '12 साल बेमिसाल किसान सम्मेलन एवं जैविक खेती पर कार्यशाला' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करते हुए केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कोआपरेटिव बैंक अध्यक्ष रजनीश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री राकेश तिवारी व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भानुप्रताप सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में किसानों के हित में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं, जिससे देश का अन्नदाता अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बना है। वक्ताओं ने कहा कि आज आवश्यकता रासायनिक खेती पर निर्भरता कम कर जैविक एवं प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने की है। इससे न केवल भूमि की उर्वरता सुरक्षित रहेगी, बल्कि किसानों की आय में वृद्धि और लोगों को स्वास्थ्यवर्धक खाद्यान्न उपलब्ध कराने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। कार्यशाला में किसानों को जैविक खेती की तकनीकों, प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने किसानों से आह्वान किया कि वे 'समृद्ध किसान-सशक्त भारत' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए जैविक खेती को जनआंदोलन का स्वरूप दें और केंद्र सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। कार्यक्रम में जिला महामंत्री अजय विश्वकर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मीना शर्मा, प्रदेश संयोजक पंचायत प्रकोष्ठ पवन गर्ग, रामनारायण सराफ, अर्जुन गुप्ता, शैलेन्द्र यादव, अभिषेक गर्ग, डिलेन्द्र यादव, कुलसिंह कंवर, प्रीति स्वर्णकार एवं समजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन्मदिन महोत्सव : जिला पंचायत कोरबा के पूर्व उपाध्यक्ष अजय जायसवाल को दी गई सुदीर्घ एवं समृद्ध जीवन की शुभकामनाएं

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिला पंचायत कोरबा के पूर्व उपाध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता श्री अजय जायसवाल जी का जन्मदिन दीपका स्थित उनके प्रतिष्ठान होटल अंजनी में युवाओं के बीच उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवा साथी उपस्थित रहे और उन्होंने केक काटकर अजय जायसवाल जी को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। अजय जायसवाल जी के प्रति युवाओं का विशेष जुड़ाव और स्नेह हमेशा से रहा है। उनके सरल स्वभाव, सक्रियता और युवाओं के प्रति सकारात्मक सोच के कारण वे युवाओं के बीच एक लोकप्रिय व्यक्तित्व के रूप में पहचाने जाते हैं।

उपस्थित युवाओं ने कहा कि अजय जायसवाल जी हमेशा युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं और सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। यही कारण है कि युवा उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत मानते हैं।

युवाओं के बीच उत्साह के साथ मनाया गया अजय जायसवाल जी का जन्मदिन

दीपका में आयोजित हुआ जन्मोत्सव कार्यक्रम, युवाओं ने दी शुभकामनाएं

जन्मोत्सव कार्यक्रम में युवाओं ने फूल-माला पहनाकर एवं शुभकामनाएं देकर अपनी खुशी जाहिर की। इस दौरान आपसी सौहार्द और उत्साह का माहौल बना रहा।

अजय जायसवाल जी ने सभी युवाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी के उज्वल भविष्य की कामना की।

विकास कार्यो को लेकर धनगांव सरपंच ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जनपद पंचायत कोरबा अंतर्गत ग्राम पंचायत धनगांव के सरपंच कलेश सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत भवन, स्कूल भवन, आंगनबाड़ी भवन जर्जर हो चुके हैं। नए भवनों सहित अन्य विकास कार्यों की मांग को लेकर कलेक्टर से निवेदन किया गया है। सरपंच श्री सिंह ने बताया कि पंचायत भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। इसके अलावा धनगांव पंचायत के आश्रित ग्राम पोड़ीखोहा में आंगनबाड़ी भवन भी जर्जर हो चुका है, जहां पढ़ाई करने पर नौनिहालों को खतरा है। धनगांव का आंगनबाड़ी भवन भी पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। इसके अलावा धनगांव में माध्यमिक शाला भवन भी कई वर्षों पुराना है और पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इन सभी भवनों को नए भवन के लिए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है और सत्र प्रारंभ होने से पूर्व इसकी स्वीकृति के लिए सरपंच कलेश सिंह ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि यह सभी मांगें अतिमहत्वपूर्ण है। कलेक्टर ने आश्वस्त किया है कि जर्जर भवनों के लिए नए भवन की स्वीकृति दी जाएगी।

सरपंच ने बताया कि राशि स्वीकृत न होने के कारण पंचायत में विकास कार्य भी नहीं हो पा रहा है। जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करा कर नया भवन बनाना जरूरी है, ताकि बच्चे सुरक्षित माहौल में पढ़ सकें।

पत्रिका ने प्रतिभावान बच्चों का किया सम्मान

अखबार वितरक संघ ने कार्यक्रम को सराहा, लोगों की जलसेवा की

कोरबा (दिव्य आकाश)। छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ द्वारा पत्रिका अखबार के सम्मान समारोह में जल सेवा का आयोजन किया। कोरबा जिले के होनहार छात्रों को पत्रिका अखबार द्वारा सम्मानित किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की पूरे टीम द्वारा व्यवस्था एवं जल उपलब्ध कराया और अखबार वितरक का कार्य करते हुए राहुल देवांगन द्वारा दसवीं में 71.3 परसेंट लाकर यह बता दिया कि मेहनत करके भी पढ़ाई कर सकते हैं। राहुल देवागन का परिवार मजदूरी करके जीवन यापन करता हैं। राहुल ने बताया कि वह आगे और अच्छे से पढ़ाई कर कलेक्टर बनना चाहता है और छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने पत्रिका अखबार की इस पहल की सराहना की और कहा- सम्मान समारोह से सभी स्टूडेंट का मनोबल बढ़ेगा। उपस्थित सदस्यों में प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल, संरक्षक रेशम साहू, जिला अध्यक्ष विपेंद्र कुमार साहू, जिला सचिव जयकुमार नेताम, राजकुमार पटेल, अनिल गिरी, रामायण सिंह (रामा), दिलीप यादव, राय सिंह, दिव्य प्रकाश चौहान, ओमकार चंद्र, दीपक और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

|| श्री गणेशम्किाभ्याम नमः || श्री धनवन्तरयै नमः ||

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

सीएसईबी चौक | दु.नं.-7 शिव हर्बल अल्का काम्पलेक्स | स्टेडियम रोड | ट्रांसपोर्ट नगर चौक | मुड़ापार रोड | पावर हाउस रोड

पतंजलि | श्रीश्री आयुर्वेद | बैद्यनाथ | Dabur | SNA | ZANDU

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर

शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

विश्व पर्यावरण दिवस पर कोरबा वन मंडल के सभी छह परिक्षेत्रों में विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अंतर्गत वन मंडल कोरबा में दिनांक 05 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस' के विशेष अवसर पर आवश्यक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, कोरबा वनमण्डलाधिकारी प्रेमलता यादव के निर्देशानुसार उपवनमंडलाधिकारी दक्षिण कोरबा सूर्यकांत सोनी एवं उपवनमंडलाधिकारी उत्तर कोरबा रामसिंह राठिया के मार्गदर्शन में मंडल के सभी परिक्षेत्रों—लेमरू, बालको, कोरबा, करतला, पसरखेत एवं कुदमुरा में परिक्षेत्र स्तरीय व्यापक गतिविधियों का संपादन किया गया।

इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के लिए निर्धारित मुख्य थीम 'जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई के लिए एक वैश्विक आह्वान' को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से, स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और वन सुरक्षा दलों , होम गार्ड,ह्लह्र के सहयोग से कई महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य गतिविधियां सुनिश्चित की गईं।

सभी छह परिक्षेत्रों में संपादित की गई और सभी के सहयोग से बड़े रूप में पौधा लगाया गया साथ ही पर्यावरण के संरक्षण के लिए सपत भी दिलाई गई,इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी परिक्षेत्र अधिकारियों, वन रक्षकों, वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों और प्रबुद्ध नागरिकों का सराहनीय योगदान रहा।

पौसरा में पौधरोपण कार्यक्रम, जनप्रतिनिधियों और वनमंडल अधिकारियों ने लगाए फलदार पौधे

वनमण्डल कटघोरा अंतर्गत वनपरिक्षेत्र कटघोरा के परिक्षेत्राधिकारी शुभम मिश्रा के नेतृत्व में पौसरा में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कटघोरा (दिव्य आकाश)। पौसरा में पौधरोपण कार्यक्रम में कटघोरा वनमंडल के अफसर-कर्मियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने फलदार व छायादार पौधे लगाए। कार्यक्रम की शुरूआत छत्तीसगढ़ महतारी की तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन से हुई। नगर पालिका बांकीमोंगरा की अध्यक्ष सोनी विकास झा ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण कर पेड़ बनने तक देखभाल जरूरी है। पेड़ हमें आक्सीजन देते हैं। प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सतके हैं। पर्यावरण संरक्षण से आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दे सकते हैं। इसके लिए हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर पेड़ बनने तक देखभाल जरूर करे। अंत में सभी ने पौधे की देखभाल व सुरक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अरदा जनपद पंचायत सदस्य श्रवण कुमार, पौसरा की सरपंच बंसती एक्का, उप सरपंच संजू यादव समेत अन्य उपस्थित थे।

15 जून को छोटे खातेदारों को रोजगार ,पुनर्वास एवं भू विस्थापितों की समस्याओं को लेकर जन आक्रोश रैली के साथ कलेक्ट्रेट घेराव के लिए भू विस्थापित हुए एकजुट

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ किसान सभा के नेतृत्व में छोटे खातेदारों को रोजगार देने, भूविस्थापितों के लंबित रोजगार प्रकरणों के निराकरण,पूर्व में अधिग्रहित जमीन की वापसी,पट्टा,आंशिक अधिग्रहण पर रोक लगाने,पेयजल की व्यवस्था करने,बसावट एवं खनन प्रभावित गांवों की अन्य समस्याओं को लेकर 15 जून को जन आक्रोश रैली निकालकर कलेक्ट्रेट घेराव की तैयारी पूरी कर ली गई है किसान सभा द्वारा शुरू किया गया आंदोलन भू विस्थापितों का जन सैलाब बनकर कोरबा की सड़कों पर दिखने वाला है कई गांव के भू विस्थापित संगठन इस घेराव में शामिल हो रहे है। किसान सभा के नेतृत्व में अब आर पार की लड़ाई लड़ने का मन भू विस्थापितों ने बना लिया है।

जन आक्रोश रैली और कलेक्ट्रेट घेराव से पहले घंटाघर में सभा आयोजित होगी जिसे प्रमुख रूप से माकपा के लोकसभा सांसद और किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कामरेड अमराराम,किसान सभा के राष्ट्रीय नेता अवधेश कुमार, आदिवासी एकता महासभा के प्रदेश अध्यक्ष और सचिव सुरेंद्र लाल सिंह एवं बाल सिंह सहित किसान सभा के प्रदेश के नेता और भू विस्थापित संगठनों के नेता संबोधित करेंगे।

कलेक्ट्रेट घेराव को सफल बनाने के लिए गांव गांव में नुक्कड़ सभा,घर घर पर्चे वितरण एवं भू विस्थापितों को एकजुट करने के लिए 10 दिनों तक विशेष अभियान चलाया गया। आंदोलन में कोरबा जिले के कोरबा,दीपका,गेवरा,कुसमुंडा के साथ रायगढ़ और सरगुजा संभाग के भी प्रभावित शामिल होंगे।

किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने कहा कि एसईसीएल के कुसमुंडा, गेवरा, दीपका, कोरबा सभी क्षेत्रों में छोटे खातेदारों को रोजगार देने,भू विस्थापितों के लंबित रोजगार, जमीन वापसी,पट्टा,बसावट एवं प्रभावित गांव की मूलभुत समस्याओं के निराकार के लिए जिला प्रशासन और एसईसीएल के अधिकारियों द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है जिसके कारण सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हुए हैं। प्रबंधन और प्रशासन पहले एकजुट था अब सभी क्षेत्रों के भू विस्थापित अपने अधिकार को लेने के लिए एकजुट हो रहे है। किसानों की जमीन का अधिग्रहण जिला प्रशासन द्वारा किया जाता है और उद्योगों को जमीन नियमों के पालन के तहत सौंपा जाता है लेकिन उद्योग जमीन तो ले लेती है लेकिन विस्थापित जमीन अधिग्रहण के बाद रोजगार और पुनर्वास के लिए भटकते हैं जिला प्रशासन को जमीन अधिग्रण के साथ विस्थापित किसानों के अधिकार को दिलाने के लिए भी सामने आना होगा।

किसान सभा नेता जवाहर सिंह कंवर, दीपक साहू,जय कौशिक,पवन यादव यादव,अमरजीत कंवर आदि ने भू-विस्थापितों की समस्याओं के लिए जिला प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन दोनों को ही जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि कुसमुंडा में जमीन के बदले रोजगार की मांग को लेकर 1686 दिनों से धरना प्रदर्शन चल रहा है और समस्याओं की ओर कई बार प्रशासन और प्रबंधन का ध्यान आकर्षित किया गया है, लेकिन भू-विस्थापितों की समस्याओं के निराकरण के प्रति कोई भी गंभीर नहीं है।

भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ के अध्यक्ष रेशम यादव, सचिव दामोदर श्याम ने कहा कि जिनकी जमीन एसईसीएल ने ली है, उन्हें बिना किसी शर्त के रोजगार दिया जाये क्योंकि जमीन ही उनके जीने का एकमात्र सहारा थी जबरन नए नए नियम बनाना बंद किया जाए । छोटे बड़े खातेदार के नाम पर किसानों को बांटने का काम बंद किया जाए। 15 जून को चारों क्षेत्र से पूरे परिवार सहित हजारों भू-विस्थापित कलेक्ट्रेट घेराव में शामिल होंगे।

कलेक्ट्रेट घेराव में कई भू विस्थापित संगठन शामिल होंगे।

प्रमुख मांगें

1) छोटे खातेदार के नाम पर भू विस्थापितों के रोके गए रोजगार में तत्काल रोजगार दो ।एसईसीएल में जिन किसानों की जमीन अधिग्रहण की गई है और की जा रही है हर खाते में स्थायी रोजगार प्रदान किया जाये।

2) बांगों बांध के जलाशय के ठेका प्रणाली समाप्त किया जाए।और विस्थापित आदिवासी एवं स्थानीय मछुवारा समितियों को मछली पकड़ने का अधिकार दिया जाए।

3) वन टाइम सेटलमेंट कर रोजगार के पुराने लंबित मामलो का जल्द से जल्द निराकरण किया जाये। अर्जन के बाद जन्म वाले प्रकरण और एक खाता एक रोजगार नियम के विरुद्ध अलग अलग खाता का सयोंजन के कारण रोजगार से वंचितों को रोजगार प्रदान किया जाये।

4) बसावट के नाम पर 3 लाख और 15 लाख रुपए के नाम से भेदभाव बंद किया जाए और सभी क्षेत्रों के भू विस्थापितों को एक समान बसावट की 15 लाख राशि दी जाए।

5) शासन की योजनाओं से प्राप्त पट्टों एवं शासकीय और वन भूमि पर बने मकानों का मुआवजा एवं सौ प्रतिशत सोलिशियम और बसाहट की पात्रता का लाभ दिया जाये ।

6) पुराने अर्जित भूमि को मूल खातेदारों को वापस करायी जाये। अधिग्रहण के बाद जिन जमीनों पर 40 सालों में भी कोल इंडिया ने भौतिक कब्जा नहीं किया है और जिन जमीनों पर किसान ही पीढ़ियों से काबिज हैं उन्हें किसानों के नाम वापस किया जाए।

7) अर्जित गाँव से विस्थापन से पूर्व उनके पुनर्वास स्थल की सर्वसुविधायुक्त व्यवस्था किया जाये।

8) एसईसीएल में आऊट सोर्सिंग से होने वाले कार्यों में भू विस्थापितों एवं प्रभावित गांव के बेरोजगारों को 100% रोजगार में रखा जाये।

9) प्रभावित एवं पुनर्वास गांव की महिलाओं को स्वरोजगार योजना के तहत रोजगार उपलब्ध कराया जाये।

10) पुनर्वास गांव में कबीज भू विस्थापित परिवार को पूर्ण काबिज भूमि का पट्टा दिया जाये।

11) डिप्लेयरिंग प्रभावित गांव सुराकछार बस्ती में किसानों को हुये नुकसान का क्षतिपूर्ति मुआवजा प्रदान किया जाये।

12) पूर्व में विस्थापित ग्रामों के भू विस्थापित जिन्हें बसावट नहीं दिया गया है उन्हें बसावट प्रदान किया जाए।

सहित अन्य मांगें शामिल हैं।

हर पौधा बनेगा एक स्मृति, हर वृक्ष रचेगा हरित विरासत की नई कहानी : सीईओ राजेश कुमार सिंह

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बालको टाउनशिप में 'स्मृति उद्यान' का शुभारंभ किया। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार सिंह ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। इसके उपरांत 100 से अधिक प्रतिभागियों ने अमलतास के पौधे रोपे। इस अवसर पर बालको के वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन के पदाधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

'स्मृति उद्यान' केवल एक पौधारोपण पहल नहीं है, बल्कि एक ऐसा भावनात्मक मंच है, जहां प्रत्येक पौधा उन प्रियजनों को समर्पित किया गया, जिन्होंने जीवन को प्रेम, मार्गदर्शन और प्रेरणा से समृद्ध किया। वृक्ष केवल प्रकृति का उपहार नहीं हैं, बल्कि जीवन, आशा और निरंतरता के प्रतीक भी हैं। आज लगाया गया एक पौधा आने वाले वर्षों में छाया, स्वच्छ वायु और पर्यावरण संरक्षण का माध्यम बनेगा।

स्मृति उद्यान विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारंभ हुआ एक दीर्घकालिक अभियान है, जो आने वाले वर्षों तक लोगों की भावनाओं और प्रकृति को जोड़ता रहेगा। भविष्य में भी कर्मचारी, उनके परिवारजन एवं समुदाय के सदस्य अपने जीवन के विशेष अवसरों जैसे जन्मदिन, विवाह वर्षगाँठ, किसी उपलब्धि का उत्सव अथवा किसी प्रियजन की स्मृति पर यहाँ आकर पौधारोपण कर सकेंगे। आने वाले वर्षों में यह उद्यान कई कहानियों, स्मृतियों और वृक्षों का जीवंत संग्रह बन जाएगा।

स्मृति उद्यान में औषधीय गुणों से भरपूर अमलतास के पौधे लगाए गए हैं, जो आने वाले वर्षों में अपने आकर्षक सुनहरे पीले पुष्पों से टाउनशिप की सुंदरता को और बढ़ाएंगे। यह न केवल प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ाता है, बल्कि मधुमक्खियों एवं तितलियों जैसे परागणकर्ताओं को आकर्षित कर जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह वृक्ष पर्यावरणीय स्थिरता एवं जलवायु अनुकूलन के लिए भी उपयोगी माना जाता है।

कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र तथा उनके घरों एवं आसपास लगाए गए पौधों की देखभाल को प्रोत्साहित करने के लिए जैविक खाद भी वितरित की गई।

स्मृति उद्यान के अलावा बीते तीन महीनों में बालको द्वारा टाउनशिप के विभिन्न हरित क्षेत्रों में लगभग 4,000 पौधों का रोपण किया गया है, जिनमें 2,000 बोगनवेलिया एवं 2,000 पेंसिलवेनिया के पौधे शामिल हैं। इस पहल ने टाउनशिप की हरियाली और सौंदर्य को और समृद्ध किया है। टाउनशिप में पहले से ही फॉरेस्ट वॉकवे, नेहरू गार्डन तथा अन्य प्रमुख हरित स्थल मौजूद हैं। बालको का यह सतत प्रयास पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सामुदायिक सहभागिता को एक साथ जोड़ते हुए एक हरित एवं टिकाऊ भविष्य के निर्माण की दिशा' में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

'स्मृति उद्यान हमारे प्रियजनों की यादों को प्रकृति के माध्यम से सहेजने का एक अनूठा प्रयास

- सीईओ राजेश कुमार सिंह

बालको के सीईओ एवं निदेशक राजेश कुमार सिंह ने कहा, 'स्मृति उद्यान हमारे प्रियजनों की यादों को प्रकृति के माध्यम से सहेजने का एक अनूठा प्रयास है। यहाँ लगाया गया प्रत्येक पौधा अपने साथ एक व्यक्तिगत कहानी, एक भावना और एक स्मृति लेकर बढ़ेगा। आज रोपे गए अमलतास के पौधे स्मरण और प्रकृति के बीच एक स्थायी संबंध का प्रतीक हैं। यह पहल केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित एवं सस्टेनेबल भविष्य के निर्माण की दिशा में हमारा दीर्घकालिक निवेश है।

बालको सामुदायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध

'सामुदायिक विकास से बदल रही है गांवों की तस्वीर'

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

किसी भी उद्योग की वास्तविक सफलता केवल उसके उत्पादन या आर्थिक उपलब्धियों से नहीं मापी जाती, बल्कि उस सकारात्मक बदलाव से आंकी जाती है जो वह अपने आसपास के समुदायों के जीवन में लाता है। जब उद्योग और समुदाय एक-दूसरे के विकास के साझेदार बनते हैं, तब प्रगति का एक ऐसा मॉडल तैयार होता है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्धि और अवसरों के नए द्वार खोलता है।

बालको का मानना है कि क्षेत्र का विकास तभी सार्थक है, जब उसका लाभ स्थानीय समुदाय तक पहुंचे और लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन दिखाई दे। इसी सोच के साथ कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। इन पहलों ने न केवल ग्रामीणों के जीवन को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनाया है, बल्कि उद्योग और समुदाय के बीच विश्वास, सहयोग और साझेदारी के संबंधों को भी मजबूत किया है।

सामुदायिक भवन, सीसी (कंक्रीट) सड़क, सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइट और नंद घर जैसी पहल केवल विकास परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि लोगों की आकांक्षाओं, जरूरतों और बेहतर भविष्य के सपनों को साकार करने के माध्यम हैं। इन प्रयासों से जहां समुदाय को बेहतर सुविधाएं और अवसर प्राप्त हुए हैं, वहीं उद्योग को भी एक सशक्त, समृद्ध और सहयोगी सामाजिक परिवेश मिला है। यही साझी प्रगति बालको के सामुदायिक विकास कार्यक्रमों की मूल भावना है।

सोनगुढ़ा ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती लक्ष्मी सिंह तंवर ने बताया, एक साल पहले जहां सामाजिक कार्यक्रमों, बैठकों और सामुदायिक आयोजनों के लिए लोगों को उपयुक्त स्थान की कमी का सामना करना पड़ता था, वहीं अब बालको द्वारा निर्मित सामुदायिक भवन इस आवश्यकता को पूरा कर रहा है। यह भवन गांव और आसपास के लोगों के लिए एक सामूहिक मंच उपलब्ध कराता है, जहां सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जा सकता है। इससे न केवल लोगों को सुविधा मिली है, बल्कि सामुदायिक एकता भी मजबूत हुई है।

सामुदायिक भवन के साथ-साथ बालको द्वारा गांव में स्थापित सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइटों ने रात के समय सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित की है। साथ ही आंगनवाड़ी का जीर्णोद्धार एवं स्कूल की बाउंड्रीवॉल तथा तलाबों का गहरीकरण करवाया गया। इन विकास कार्यों से गांवों की आधारभूत संरचना समृद्ध हुई है। बालको का विश्वास है कि औद्योगिक विकास के साथ-साथ समुदायों का समग्र विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसी सोच के अनुरूप कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला एवं बाल विकास तथा आधारभूत संरचना के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बालको ने 12 सामुदायिक शौचालय, 2 सामुदायिक मंच और 4 सामुदायिक भवनों का निर्माण कर सामुदायिक सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन पहलों के माध्यम से कंपनी सामाजिक सहभागिता को सशक्त बनाते हुए स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार तथा क्षेत्र के समग्र एवं सतत विकास को गति प्रदान कर रही है।

बालको द्वारा उपलब्ध कराई गई आधारभूत सुविधाओं से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार- पूजा

ग्राम पंचायत चूहिया की सरपंच पूजा राठिया ने बताया 'बालको द्वारा सीसी (कंक्रीट) सड़क के निर्माण से आवागमन सुगम हुआ है, इस तरह के आधारभूत सुविधाओं से ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी हुई है। सभी गांव वासियों को इस आरसीसी सड़क का फायदा मिल रहा है। बालको के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी के विकास कार्य ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं।'

क्षेत्र की प्रगति में बालको का योगदान महत्वपूर्ण

नेता प्रतिपक्ष, नगर पालिक निगम, कोरबा कृपाराम साहू ने बताया 'बालको द्वारा नेहरू नगर में सर्व सुविधायुक्त निर्मित सामुदायिक भवन हमारे क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात है। स्थानीय नागरिकों को सामाजिक और सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। कंपनी द्वारा किए जा रहे विकास कार्य क्षेत्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

बालको का सामुदायिक विकास कार्य सराहनीय : मंत्री देवांगन

'बालको ने नेहरू नगर में किया सामुदायिक भवन का निर्माण'

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा नेहरू नगर में नव-निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम वाणिज्यिक कर (आबकारी), श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया। आयोजित समारोह में कोरबा नगर निगम की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार सिंह तथा नेहरू नगर वार्ड के पार्षद कृपाराम साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समुदाय के सदस्यों, बालको अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, सामुदायिक भवन के लोकार्पण एवं शिलापट्ट अनावरण के साथ हुआ। अतिथियों ने भवन का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय के सदस्यों ने क्षेत्र में जनसुविधाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु बालको के प्रयासों की सराहना की।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री देवांगन ने कहा, 'बालको औद्योगिक विकास के साथ-साथ सामाजिक विकास के क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण एवं सड़क निर्माण में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। नेहरू नगर में निर्मित यह सामुदायिक भवन स्थानीय नागरिकों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि आप सभी इस सामुदायिक भवन का अधिकतम उपयोग करें तथा इसे सामाजिक सहभागिता और जनकल्याण की गतिविधियों का सशक्त केंद्र बनाएं।

बालको के सीईओ एवं निदेशक राजेश कुमार सिंह ने कहा, 'हमारा उद्देश्य इस सामुदायिक भवन को नागरिकों को समर्पित कर लोगों के बीच आपसी सहयोग, सौहार्द और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना है। किसी भी समाज के विकास में बेहतर बुनियादी सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और बालको इस प्रगति का सहभागी बनकर प्रसन्न है। हम स्थानीय समुदाय के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिसने हमारे कार्यों पर विश्वास जताया और निरंतर सहयोग प्रदान किया।'

यह भवन विभिन्न सामुदायिक आयोजनों, सामाजिक कार्यक्रमों एवं जनहित गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करेगा। भवन में रैंप सहित अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भवन की पहुंच सुगम बनाई गई है। यह सभी के लिए सुलभ एवं समावेशी सार्वजनिक सुविधाएं विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सामुदायिक कल्याण एवं आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत बालको ने वित्तवर्ष 2026 में 12 सामुदायिक शौचालय, 2 सामुदायिक मंच तथा 4 सामुदायिक भवनों का निर्माण किया है। इन पहलों के माध्यम से बालको स्वच्छता, सामाजिक सहभागिता और सामुदायिक आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करते हुए आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :·divyaakash.news@gmail.com